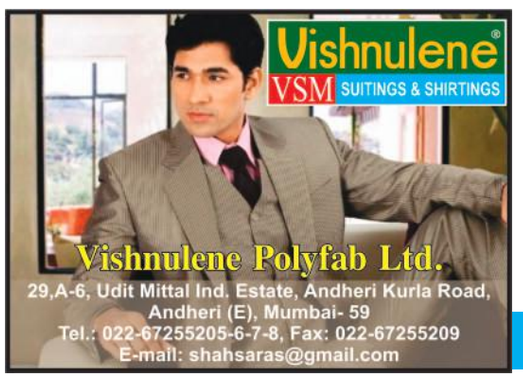

पाक्षिक
SINCE 1998
टेक्सटाइल वर्ल्ड
Postal Registration No : BHILWARA/208/2021-2023 Posting on 09-03-2021 at Rail Mail Service, Bhilwara
वर्ष-23 अंक-18 भीलवाड़ा/ 7 मार्च, 2021 कुल पृष्ठ- 10 मूल्य : 15 रुपए

टेक्सटाइल उद्योग विश्वस्तरीय उत्पादन करे -प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

आत्मनिर्भर भारत में महत्वपूर्ण योगदान

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के टेक्सटाइल उद्योग से अनुरोध किया है कि वह विश्वस्तरीय उत्पादन करे, इसके लिए सरकार अनेक कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि टेक्सटाइल उद्योग का आत्मनिर्भर भारत में महत्वपूर्ण योगदान है। कॉन्फडरेशन आफ इंडियन टेक्सटाइल इण्डस्ट्री (सिटी) द्वारा आयोजित ग्लोबल टेक्सटाइल्स कॉन्क्लेव 2021 के अवसर पर भेजे गए अपने संदेश में कहा कि सरकार देश में कारोबार को आसान करने और कौशल विकास के माध्यम से देश में औद्योगिक विकास के लिए अनेक कदम उठा रही है। इसके लिए सरकार ने देश में आधारभूत ढांचे को सुधार कर वैश्विक स्तर का बनाने के लिए अनेक उपाय किए हैं। श्री मोदी ने संदेश में कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को पूरा करने में टेक्टाइल सेक्टर की भूमिका महत्वपूर्ण है। सरकार का फोकस टेक्सटाइल सेक्टर को नवीनतम तकनीक से सुसज्जित करने पर है।

उल्लेखनीय है कि देश को आर्थिक रुप से मजबूत बनाने के लिए अनेक सेक्टरों पर फोकस कर रही है और कई योजनाएं बना रही है। उन्होंने टेक्सटाइल उद्योग से कहा कि वह कुछ नया करने की दिशा में लगातार कार्य करते रहें और अनुसंधान आदि में लगे रहें, ताकि वह नए बाजारों में अपना महत्वपूर्ण स्थान बना सके। उद्योग विविधता के साथ ही उत्पादन और डिजाइन आदि में भी अनुसंधान करता रहे। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के असर ने हमें बताया कि किस प्रकार की तकनीक का प्रयोग करके हम चुनौती को अवसर में बदल सकते हैं। टेक्सटाइल सेक्टर के मेहनती कारीगरों ने देश को कम लागत की पीपीई किट की आवश्यकता को पूरा करने में सहयोग दिया। कॉन्क्लेव का उद्घाटन करते हुए टेक्सटाइल मंत्री सुश्री स्मृति ज़ुबिन ईरानी ने कहा कि सरकार देश के टेक्सटाइल उद्योग को बेहतर बनाने के लिए ठोस प्रयास कर रही है और इसके लिए उसने कई उपाय और योजनाओं की घोषणा की है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने देश में गारमेण्ट उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 6,000 करोड़ रुपए के पेकेज और मेनमेड फैब्रिक गारमेण्ट तथा टेक्निकल टेक्सटाइल्स के लिए 10,683 करोड़ रुपए की प्रोडक्ट लिंक्ड इंसेटिव (पीएलआई) जैसी योजनाओं को लागू किया है। उन्होंने बताया कि हाल ही में सरकार द्वारा आगामी तीन वर्षों में मेगा इन्वेस्टमेण्ट टेक्सटाइल्स पार्क स्कीम (मित्रा) के तहत सात टेक्सटाइल पार्क स्थापित करने की घोषणा की है, जिससे देश का कपड़ा उद्योग विश्व में प्रतिस्पर्धक बनेगा। उन्होंने यह भी कहा कि एमएसएमई सेक्टर के टेक्सटाइल उद्यमियों को विश्वस्तर के मानदंडों को अपनाने पर फोकस करने की जरुरत है, ताकि वे विश्व के प्रमुख निर्माताओं के साथ भागीदारी करके अंतर्राष्ट्रीय उद्यमियों की मांग को पूरा कर सकें। उन्होंने बताया कि भारत विश्व में टेक्निकल टेक्सटाइल खासकर बिल्डटैक, मेडीटेक और ओयकोटेक का सबसे बड़ा उपभोक्ता । देश बनने जा रहा है। उनके अनुसार हाल के बजट में रेलवे और रोड में आधारभूत संरचना, आत्मनिर्भर स्वस्थ भारत और जल जीवन मिशन के लिए जो घोषणाएं की गई हैं, उनसे आने वाले वर्षों में टेक्निकल टेक्सटाइल में भारी वृद्धि होगी। इसके लिए सरकार ने नेशनल टेक्सटाइल मिशन के लिए 1,480 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। इसका उपयोग देश में टेक्निकल टेक्सटाइल के क्षेत्र में अनुसंधान, इनोवेशन, प्रमोशन और बाजार को विकसित किया जाएगा।

गारमेण्ट में रुख पलटा

रिटेलर्स की बिक्री सुधरने से उम्मीदें बढ़ी

मुंबई/ रमाशंकर पाण्डेय

गर्मी की शुरुआत होते ही गारमेण्ट में कारोबार पलटने लगा है। अभी तक कमजोर ग्राहकी तथा मंदी की मार झेल रहे रिटेलर्स की बिक्री सुधर रही है। गारमेण्ट की सभी वेराइटी में मांग बढ़ने की संभावना से नये माल मंगाएं जा रहे हैं। जीएसटी कौंसिल की होने वाली आगामी बैठक में टेक्सटाइल सेक्टर को बड़ी राहत मिल सकती है। सूत्रों के मुताबिक सरकार का इन्वर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर दुरूस्त करने पर जोर है। कच्चे माल पर भारी जीएसटी दर होने से कारोबार में दिक्कतें आ रही है।

टेक्सटाइल पर यह भार कम हो सकता है,ऐसा होने पर गारमेण्ट क्षेत्र को इसका बड़ा लाभ मिल सकता है। सरकार का इरादा टेक्सटाइल क्षेत्र को प्रोत्साहन देकर वैश्विक स्तर का खिलाड़ी तैयार करने का है। गारमेण्ट इकाईयों को स्थानीय तथा देसावरी व्यापरियों से आर्डर मिलने लगे हैं। माल का डिस्पेच भी हो रहा है। गारमेण्ट इकाईयों में कपडों की मांग अभी उतनी नहीं बढ़ी है। अच्छी क्वालिटी के पैंट एवं शर्ट्स, जींस ट्राउजर्स की मांग धीरे-धीरे पटरी पर लौट रही है। गारमेण्ट में कारोबार कुछ कम जरूरहै। रिटेलर्स छोटे-बड़े सभी ब्रांडों में अंदर से डिस्काउंट देकर पुराना स्टॉक सीजन शुरू होने से पहले क्लीयर कर लेना चाहते हैं। आगे वैवाहिक सीजन में ब्रांडेड गारमेण्ट एवं फैंसी आइटमों की मांग अच्छी रहने की संभावना से रिटेलर्स की नई लेवाली है। सीजन की तैयारी में जुटे गारमेण्ट उत्पादकों को फैब्रिक्स के बढ़ते भाव तथा बढ़ रहे आर्थिक संकट से मार्केट में चुनौती की संभावना बन रही है। गारमेण्ट निर्यात में कारोबार अभी भी मंदा है। अमेरिका तथा यूरोप में कोरोना के कारण निर्यात मांग में अभी जोर नहीं है, तो स्थानीय स्तर पर अभी तक रोजमर्रा के होजरी आइटमों, बरमुडा, टीशर्ट, गाउन इत्यादि की ही मांग रही है, परंतु अब पिछले एक सप्ताह से बाजार की मनोवृत्ति बदली है। लोगों के हाथों में खर्च करने के लिए पैसे आने लगे हैं, लोग नौकरी एवं धंधा करने के लिए बाहर निकल रहे हैं, इससे तैयार परिधानों की मांग फिर निकली है।

डर इस बात का है कि मुंबई में कोरोना के मामले बड़ी तेजी से बढ़ रहे हैं, इसे लेकर सरकार चौकन्ना है। यदि समय रहते इस पर लगाम नहीं लगी तो समर सीजन की ग्राहकी का खेल बिगड़ सकता है, इस तरह का भय रिटेलर्स व्यक्तकर रहे हैं। स्कूल यूनिफॉर्म सप्लाई करती गारमेण्ट इकाईयों के पास पिछले एक वर्ष का पुराना यूनिफॉर्म पड़ा है।

शेष पेज 6 पर

कॉटन यार्न की कुछ किस्मों के भाव घटे, सिंथेटिक नहीं घटा

मुंबई/ रमाशंकर पाण्डेय

यार्न मार्केट में उतार एवं चढ़ाव का क्रम जारी है। कॉटन यार्न के भाव में थोड़ी गिरावट आई है, लेकिन सिंथेटिक यार्न बढ़े भाव पर स्थिर हो गया है। सिथेंटिक यार्न की कुछ वेराइटी में भारी भाव वृद्धि से सिंथेटिक कपड़ों के उत्पादन पर असर पड़ा है। वीवर्स को यार्न के मुकाबले कपड़ों का बढ़ा भाव नहीं मिल रहा है। वीवर्स एवं पावरलूम से जुड़े संगठनों का कहना है कि शेयर मार्केट की तरह यार्न का भाव रोज नहीं बढ़ना या घटना चाहिए। हर महीने की एक निश्चित तारीख पर यार्न का भाव तय कर देने के बाद फिर इसमें कोई उतार-चढ़ाव नहीं होनी चाहिए। लेकिन पिछले तीन महीने से यार्न के भाव में हो रहा इस तरह का बदलाव वीवर्स के लिए मुसीबत हो गया है।

जानकारों का कहना है कि यार्न की कीमतें तय नहीं होने से इस तरह की स्थिति उत्पन्न हो रही है, जबकि मिलों की ओर से विशेषकर कॉटन यार्न का उत्पादन यथावत होने तथा आपूर्ति में कोई कमी नहीं होने की बात सामने आ रही है। यह भी सच है कि कॉटन यार्न की मांग स्थानीय तथा निर्यात मार्केट दोनों में बढ़ी है। मिलें निर्यात बाजारों को समय पर माल की डिलीवरी देने पर जोर दे रही थी, इससे सटोरियों को भाव बढ़ाने का मौका मिला। परंतु अब बाजार सामान्य हो रहा है। कॉटन यार्न की कुछ किस्मों के भाव स्थिर हो चुके हैं, तो कुछ ऐसी वैरायटी हैं, जिनके भाव बीच की अवधि में बहुत अधिक बढ़े थे, वे भी धीरे-धीरे स्थिर होने की ओर अग्रसर हैं। समस्या यार्न में स्थिरता की है, कॉटन यार्न का भाव एक बार बढ़ा तो टिकता नहीं है, 10 से 15 दिनों के बाद फिर इसके भाव कुछ घटा दिए जाते हैं। इसका असर कपड़ों के उत्पादन पर होता है। स्प्रिंग एवं समर सीजन की पुरजोर तैयारी चल रही है।

शेष पेज 6 पर

सियाराम सिल्क मिल्स के नकली सेल्वेज की धरपकड़

भीलवाड़ा

बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर प्रतापनगर थाना क्षेत्र में एक कपड़ा फेक्ट्री में छापे के दौरान देश की ख्यातनाम कंपनी सियाराम सिल्क मिल्स के ट्रेडमार्क का 3051 मीटर नकली सल्वेज मिला। इसके कार्यवाही से कपड़ा मंडी में हड़कंप मच गया। सियाराम सिल्क मुम्बई ने भीलवाड़ा में प्रोसेस हाउस समेत कई अन्य फैक्ट्रियों में कंपनी के ट्रेडमार्क के दुरुपयोग की भी शिकायत की। सियाराम ने भीलवाड़ा में कंपनी के नाम से नकली कपड़ा बनने की आशंका जताते बम्बई हाईकोर्ट में प्रकरण दर्ज कराया था। हाईकोर्ट ने भीलवाड़ा के अधिवक्ता श्री सुरेशचंद्र पालीवाल को कमिश्नर नियुक्त किया।

श्री पालीवाल, कंपनी के महाप्रबंधक, लीगल लेफ्टिनेंट कर्नल श्री सुरेन्द्र पाटिल के साथ पुलिस अधीक्षक श्री विकास शर्मा से मिले और भीलवाड़ा में कई स्थानों पर कंपनी के ट्रेडमार्क से नकली कपड़ा बनने की जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक श्री शर्मा ने हाईकोर्ट के आदेश की पालना में प्रतापनगर थाने का जाप्ता कार्यवाही के लिए भेजा। सियाराम ने कार्यवाहक थाना प्रभारी श्री जगदीश प्रसाद की टीम के साथ विभिन्न औद्योगिक इकाइयों को सूचिबद्ध किया एवं दोपहर बाद कारवाई की। वहां टीम को सियाराम ट्रेडमार्क का 3051 मीटर तैयार नकली सेल्वेज का कपड़ा मिला। टीम ने इसे जब्त कर लिया है। एक अन्य लूम संख्या 24 पर भी ट्रेडमार्क का चढ़ा कपड़ा जब्त किया। इस फेक्ट्री में अन्य ख्यातनाम कंपनियों के नकली सेल्वेज बनने की भी आशंका जताई गई है। एक अन्य कपड़ा फैक्ट्री की भी जांच की गई।

आखिर कब सुधरेंगे

बाजार सूत्रों का कहना है कि अपने लाभ के लिए मण्डी के कुछ व्यापारी यहां के सभी व्यापारियों को बदनाम करने में लगे हुए हैं। इन तथाकथित व्यापारियों के कारण यहां के कपड़े को हीन भावना से देखा जाता है एवं उसका उचित मूल्य भी नहीं मिल पाता है। अतः यहां के एसोसिएशन्स को इनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही करते हुए भीलवाड़ा में जो भी नकली सेल्वेज निर्माता हैं, उनका नाम उजागर करना चाहिए ताकि मण्डी बार-बार बदनाम होने से बच सके।

सरकार किसानों के लिए तो सब कुछ कर रही है

मगर व्यापारियों के लिए क्या?

सोलापुर/ भागचंद कोचर

अभी अभी मार्केट में थोड़ा मॉल अच्छा चल रहा था, वापस महाराष्ट्र में लॉकडाउन होने की वजह से पार्टियों में दहशत पैदा हो गई है। माल खरीदी करें या ना करें, स्कूले वापस बंद हो गई है और हमारा गारमेंट स्कूल यूनिफॉर्म पर टिका हुआ है। इस महीने में थोड़े बहुत आशा थी व ऑर्डर भी आने लग गए थे और माल का उठाव भी हो रहा था, मगर जैसे-जैसे कोरोना की संख्या बढ़ती जा रही है, उसके चलते महाराष्ट्र गवर्नमेंट ने वापस 10 डिस्ट्रिक्ट में कर्फ्यू लगाया है और स्कूल भी बंद करवा दिए हैं।

इसका असर सभी फैक्ट्रियों पर पड़ा है। अब आगे क्या होगा, कब यह खुलेगा, उस पर निर्भर हैं और गर्वनमेंट ने तो अभी तक तो स्कूल की पूरी छूट भी नहीं दी है। स्कूल जब तक पूरे नहीं खुलेंगे, तब तक हमारे गारमेंट में कोई बड़ा बदलाव आने वाला नहीं है। सभी परेशान हैं, भारत के किसी भी कोने से बड़े ऑर्डर अभी तक आए नहीं हैं। हर जगह पर अपने अपने हिसाब से छुटपुट गिरेगी कर रहे हैं। यह पूरा साल कोरोना का बहुत ही खराब रहा। आगे अगर सही डिसीजन गवर्नमेंट ले और स्कूल खुल जाएंगी तो यहां पर व्यापारियों को जीवनदान मिल जाएगा, वरना यहां का कारोबार पर काफी बुरा असर पड़ने वाला है। इसी तरह टेक्सटाइल में चद्दर के भाव ऊपर बढ़ने की वजह से नीचे मांग पुराने ही मांग रहे हैं। यार्न वाले और तैयार कपड़े वाले 15 से 20 परसेंट की तेजी दिखा रही है और कपड़ों में ऊंचे भाव का कपड़ा लेकर माल बना लें तो कॉस्ट बढ़ रही है, इसीलिए भी फैक्ट्री वाले काफी परेशान हैं। जब तक मार्केट में भाव स्थिर नहीं होते, तब तक मार्केट का हाल बुरा ही रहेगा। इसी तरह मार्केट में उदासी छाई रहेगी, काफी मिलों में जो माल चाहिए, वह माल अभी उपलब्ध भी नहीं है और जो उपलब्ध है उसके रेट 8 से 10 रुपए बढ़े हुए हैं। व्यापारी नीचे व्यापारी को क्या जवाब दें, समझ में नहीं आ रहा है, ऐसे तो पहले की तरह व्यापार होने में काफी वक्त लग जाएगा। खरीदी करने की जो बोलता है, वह फिलहाल दिखाई दे नहीं रही है और ऊपर से जीएसटी की मार और जीएसटी का पूरा खुलासा ना होने से हर रोज एक नया टेक्स लगता है। नए रूल चालू हैं और उसकी वजह से काफी परेशान हैं। सरकार से मुंबई एसोसिएशन दिल्ली एसोसिएशन इस सभी को एक साथ में लेकर बैठक करे और बातचीत करें। कोई समतोल टैक्स रखें तो ही भविष्य अच्छा रहेगा, वरना यह खुलासा नहीं होने की वजह से हर एक परेशानी में है।

निर्यातकों की मांग से रुई के भाव सीजन के उच्च स्तर पर

मुंबई

रुई की मांग अच्छी होने से भाव सीजन के उच्च स्तर पर टिके रहे हैं। कुछ स्थानों पर मामूली गिरावट को बतौर अपवाद छोड़ दें तो चालू सीजन में मांग का समर्थन जारी रहने से रुई के भाव में गिरावट नहीं आई है। किसानों को उनकी उपज की अच्छी कीमत मिली है। यार्न उत्पादकों तथा निर्यात मांग की निरंतरता बनी रहने से अच्छी गुणवत्ता की रुई में हमेशा लेवाली रही है। अधिक से अधिक माल बाजार में आ चुका है, अनुमान है कि अभी डेढ़ महीने तक कपास की आवक जारी रह सकती है, परंतु कपास की आवक कम हो रही है और किसानों के पास अब 10 से 15 प्रतिशत स्टॉक होने का अनुमान है। यही कारण है कि संकर रुई के भाव में उछाल देखा गया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार देश में उत्पादन अनुमान भले ही भिन्न-भिन्न रहे हों, लेकिन 360 लाख गांठ से कम उत्पादन नहीं हो सकता है। बाजार में कपास एवं रुई की आवक लगातार घट रही है, तो दूसरी और वेश्विक तेजी का असर तथा निर्यात में अच्छा कारोबार होने से इसके भाव को मजबूती मिली है। स्पिनिंग मिलों के पास 45 से 100 दिनों की इंवेटरी होने से उनकी खरीदी थोड़ी घटी है। ये मिलें रुई की खरीदी सीसीआई के पास से करती है। कॉटन मिलों की नई खरीदी मार्च से निकलने की अपेक्षा है। छोटी मिलों और बड़ी मिलों की इंवेटरी को ध्यान में रखते हुए बाजार के जानकारों का मानना है कि रुई के भाव में आगामी मूवमेंट अप्रैल में ही दिखाई देगा।

रुई का निर्यात बढ़ने का अनुमान है। वेश्विक भाव बढ़ने से भारतीय रुई प्रतिस्पर्धी है। कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया तथा व्यापारियों का मानना है कि चालू सीजन में निर्यात 65 से 70 लाख गांठ हो सकता है,जो पिछले वर्ष 50 लाख गांठ था। इसकी मांग बढ़ रही है। बांग्लादेश, वियतनाम, चीन और इंडोनेशिया जैसे देशों से भारतीय रुई में अच्छी मांग है। संकर 6 रुई का निर्यात भाव 44600 से 45100 रु प्रति खंडी है। अमेरिका में कम पैदावार होने का लाभ भारतीय निर्यातकों को हो सकता है। जनवरी अंत तक भारत से 30 लाख गांठ का निर्यात किया जा चुका है, जो अच्छी वृद्धि है। फरवरी महीने में ही अभी तक 3 से 4 लाख गांठ तक रुई का निर्यात किए जाने का अनुमान है।

कपास एवं रुई कारोबार से संलग्न अनेक संगठनों तथा एसोसिएशनों की रिपोर्ट से पता चलता है कि इस सीजन में देश से रुई का निर्यात बढ़ने और आयात घटने का अनुमान है। यही नहीं पिछले वर्ष की तुलना में इस बार मिलों और गैर मिलों में रुई की खपत भी बढ़ेगी। उत्तर भारत की ओर उत्पादन का अधिक से अधिक माल बाजार में आ चुका है। महाराष्ट्र और गुजरात में भी अब आवक धीमी पड़ती जा रही है, इन स्थानों पर भी ढेर सारा अच्छा माल बाजार में आ जाने के बाद जो बचा है, उस पर किसानों की पकड़ बहुत अधिक मजबूत हुई है, तो दूसरी ओर वैश्विक बाजारों में भारत की रुई की मांग लगातार अच्छी रहने से निर्यातकों की मांग अच्छी किस्म की रुई में बनी हुई है।

सहालग की तैयारी में लगे व्यापारी

सतना/ बलराम शुक्ला

इस वर्ष जनवरी फरवरी मार्च में लगन नहीं होने से किसी भी प्रकार के धार्मिक आयोजन नहीं हुए। यहां तक तिलक शादियां भी नहीं, जिस कारण से व्यापारियों ने इस वर्ष तैयारी नहीं किया। पिछले वर्ष अच्छा व्यापार था, लेकिन अचानक लॉकडाउन लग जाने से सभी तैयारियां फेल हो गई। और तो और सूरत का जो माल व्यापारी खरीदकर लाया था वह भी ट्रांसपोर्ट मे पड़ा रहा, लेकिन जितना सहयोग और धैर्य सूरत के व्यापारियों ने रखा, उसकी जितनी तारीफ की जाये कम है। उसी का नतीजा था कि व्यापारियों ने माल सूरत वापस नहीं भेजकर बराबर सहयोग दिया, लेकिन पिछले साल की गलती से सबक लेकर इस वर्ष व्यापारी अपने हिसाब से खरीदी कर रहा है। सप्लायर भी शॉर्टेज बनाये हुए है, उत्पादन भी धीमी गति से हो रहा है। यार्न बाजार तेज है, अब देशावर भी टाइट हो गया है। आने वाले समय मे लेट पेमेंट वाली पार्टियों को परेशानी आयेगी। एक समय था, जब हर मंडी में सूरत के बड़े सप्लायरों के काउंटर हुआ करते थे, लेकिन उसमें अब कमी आयी है। बड़े बड़े व्यापारी मेले का आयोजन करते हैं, उसी में पर्याप्त बुकिंग हो जाती है। इस समय भीलवाड़ा मुम्बई के सप्लायर एजेंटों के माध्यम से स्थानीय डीलरों के द्वारा बुकिंग शुरू हो गई है। इस समय सतना कटनी के सप्लायर्स मंडियों में आये हुए हैं।

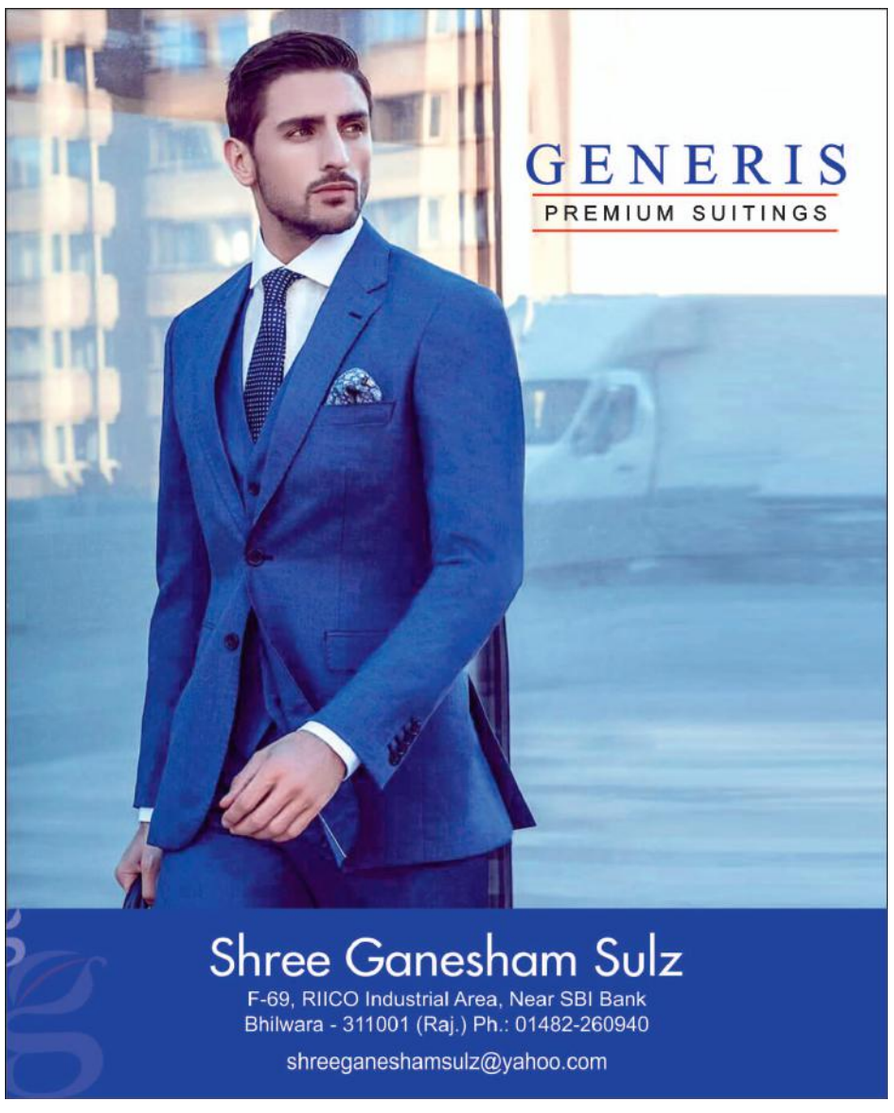

पावरलूमधारकों में ऑनलाइन पंजीकरण को लेकर असमंजस : इचलकरंजी में कम प्रतिसाद

कोल्हापुर/ राहुल खाड़े

बिजली के बिल में सहूलियत चाहिए तो हर पावरलूमधारक शासन की वेबसाईट पर ऑनलाइन तरीके से पंजीकरण करे, ऐसे आदेश शासन ने निकाले हैं। लेकिन बिजली जोड़ते समय व्यवसाय और उसके लिए लगने वाला बिजली का पुरवठा के बारे में जानकारी ली जाती है, नए तरीके से नामांकन भर लेने के पीछे सरकार का क्या उद्देश्य है, इसके साथ इसमें पूछी गई जानकारी के चलते भविष्य में कुछ संकट तो नहीं आएगा, ऐसे कई सवाल पावरलूमधारकों के सामने आ गए हैं, जिसके चलते पंजीकरण के बारे में संभ्रमावस्था पैदा हुई है और पंजीकरण के लिए समय सीमा बढ़ा देने के बाद भी कम प्रतिसाद मिला है।

बिजली लेते समय महावितरण की ओर कुल पावरलूम की संख्या, लगने वाली बिजली इसके बारे में जानकारी दी होती है। उसके अनुसार बिजली मंजूर होकर बिजली जोड़ी जाती है और उसके अनुसार पावरलूमधारक को सहूलियत मिलती है। इसमें पावरलूम व्यवसाय को सहूलियत मिले, इसके लिए अलग कॅटेगिरी (विभाग) किया गया है। ऐसा होते हुए भी ऑनलाईन पंजीकरण की जरुरत क्यों, इसके साथ तीन पानवाले ऑनलाईन नामांकन में बिजली पुरवठा को छोड़कर और जानकारी भी मांगी गई है। इसके चलते आगे चलकर शासन को दी गई इस जानकारी के कारण पावरलूम धारकों के सामने कुछ नई समस्या तो खड़ी नहीं होगी, ऐसी शंका पावरलूमधारकों की ओर से व्यक्त की जा रही है।

ऑनलाईन पंजीकरण करते समय भी कई समस्याएं आती है। सभी की ओर शॉप अेक्ट पंजीकरण के कागजात नहीं हैं। कइयों की ओर पिताजी के नाम पंजीकरण किया कागजात हैं, जिससे कागजातों में परेशानी आ रही है। इतना ही नहीं, नामांकन दाखिल करने के लिए भी डेढ़ से दो घंटे लगते हैं।

जिनको इसके बारे में कुछ जानकारी नहीं है, उनके लिए वह कठिन लगती है। उनको इंटरनेट केफे की मदत लेनी पड़ती है। ऐसी कई समस्याएं पावरलूम धारकों के सामने हैं, जिसके चलते पंजीकरण को कम प्रतिसाद मिल रहा है। इससे क्या फिर से मुदतवाढ़ मिलेगी, क्या पहले की तरह सहुलियत मिलेगी, इसकी ओर सभी का ध्यान लगा हुआ है।

4 से 5 फीसदी पंजीकरण....

महाराष्ट्र में कुल एक लाख 10 हजार पावरलूमधारक हैं। इसमें से सिर्फ 4 से 5 हजार लोगों ने पंजीकरण कराया है। इस बीच 28 फरवरी 2021 पंजीकरण की आखिरी तारीख है, इससे अगले चार दिनों में भी पंजीकरण पूरा नहीं होगा, फिर से समय सीमा बढ़ानी पड़ेगी। शासन को परंपरागत तरीके से पावरलूम धारकों को बिजली में सहूलियत देनी चाहिए तथा अनावश्यक जानकारी लेने के लिए चल रहा ऑनलाईन पंजीकरण रोकना चाहिए। श्री सतीश कोष्टी, अध्यक्ष पॉवरलूम एसोसिएशन तथा श्री अशोक स्वामी, अध्यक्ष वस्त्रोद्योग महासंघ, के अनुसार महाराष्ट्र राज्य। शासन द्वारा दिए सूचना के अनुसार पंजीकरण का काम शुरू है, लेकिन पावरलूम धारकों की ओर से इसको कम प्रतिसाद मिल रहा है। पहले ही समस्या का सामना करने वाले वस्त्रोद्योग के सामने इस नई प्रक्रिया से और समस्या खड़ी हो रही है। ऐसे में शासन को पंजीकरण रोककर बिजली के बिल में सहूलियत पहले जैसे शुरू रखनी चाहिए।

विनय महाजन,
अध्यक्ष पावरलूमधारक जागृति संगठन

सीसीआई ने इस सीजन की 44 लाख गांठ बेची

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

विश्व और घरेलू बाजार में कॉटन के बढ़ते भाव और मिलों आदि की मांग के कारण इस वर्ष देश में कॉटन कार्पोरेशन ऑफ इण्डिया यानि सीसीआई की अच्छी मांग बनी हुई है। यही कारण है कि उसके पास पुरानी कॉटन का स्टॉक केवल 4 लाख गांठ (प्रति गांठ) ही बचा है तथा नए सीजन की कॉटन का लगभग 47 लाख गांठ। चालू सीजन यानि अक्टूबर 2020 सितम्बर 2021 के दौरान कॉटन कार्पोरेशन आफ इंडिया ने लगभग 92 लाख गांठ की खरीद की है। उल्लेखनीय है कि कोविड के कारण मिलों की मांग नहीं होने से पिछले सीजन में सरकारी एजेंसी ने किसानों से एमएसपी पर 105 लाख गांठ की रिकॉर्ड खरीद की थी।

सूत्रों के अनुसार विश्व बाजार में तेजी और घरेलू मांग को देखते हुए फ रवरी के दौरान सीसीआई ने लगभग एक हजार रुपए प्रति खंडी की भाव वृद्धि की, लेकिन उसके बावजूद मिलों की अच्छी मांग रही। कुछ कॉटन निर्यातकों ने भी खरीदी है।

पुराना स्टॉक लगभग 4 लाख गांठ

हालांकि देश में कॉटन के भाव में तेजी बनी हुई है, लेकिन इसके बावजूद विश्व बाजार में भारतीय कॉटन के भाव सबसे सस्ते हैं। इसमें एक विशेष क्वालिटी की कॉटन के अतिरिक्त अन्य क्वालिटी की कॉटन के आयात की पड़तल नहीं है, इसके विपरीत निर्यात मांग बनी हुई है। उल्लेखनीय है कि बजट में सरकार ने कॉटन के आयात पर 10 प्रतिशत का टैक्स लगा दिया है। इससे कॉटन का आयात महंगा हो गया है। जानकारों का कहना है कि सीसीआई इस सीजन की लगभग 44 लाख गांठ कॉटन बाजार में बेच चुकी है।

गत वर्ष यानि 2019-20 सीजन में सीसीआई ने लगभग 105 लाख गांठ कॉटन की खरीद की थी और उसमें से अब लगभग 4 लाख गांठ का स्टॉक ही बचा हुआ है। इससे पूर्व सीजन की कॉटन का भी कुछ स्टॉक था, जो बिक गया है। उल्लेखनीय है कि अनलॉकिंग प्रक्रिया आरंभ होने पर सीसीआई ने कॉटन की बिक्री डिस्काउंट पर आरंभ की थी, लेकिन जैसे-जैसे माँग में सुधार होता गया, उसने भाव वृद्धि आरंभ कर दी। इससे अब शंकर-6 किस्म की क्वालिटी का बाजार भाव 46,000 रुपए प्रति खंडी के ऊपर पहुंच गया है तथा इसमें अभी और तेजी आ सकती है।

आवक... फरवरी अंत तक देश में कॉटन की कुल आवक 295 लाख गांठ की हो चुकी है, जबकि गत वर्ष इसी अवधि में 260 लाख गांठ की हुई थी। कॉटन एसोसिएशन आफ इंडिया यानि सीएआई के अनुसार इस वर्ष देश में कॉटन का उत्पादन 360 लाख गांठ होने का अनुमान है। इस प्रकार अब किसानों के पास लगभग 65 लाख गांठ का ही स्टॉक बचा है और इसकी आवक मई-जून तक चलती रहेगी।

व्यापारिक गतिविधियां शुरू

मुजफ्फरनगर/ अजय सिंहल

पश्चिमी उत्तर प्रदेश की मुजफ्फरनगर सहित अधिकांश कपड़ा मण्डियों में यहाँ का मौसम बदलने, होली का प्रमुख त्यौहार तथा लगन साया के शुभ मुहूर्त निकट आने के साथ ही व्यापारिक गतिविधियाँ रफ्तार पकड़नी शुरू हो गई है। पेन्ट शर्ट, लेडिज सूट, साड़ीज, लहंगा चुनरी, रेडीमेड गारमेण्ट्स, हेन्डलूम प्रत्येक सेगमेण्ट में धीरे-धीरे व्यापार अच्छी गति पकड़ता दिखाई दे रहा है। आरामदायक तथा सूती वस्त्रों की अच्छी डिमाण्ड निकल रही है। आगे और अच्छा कामकाज निकलने की अच्छी सम्भावनाएं हैं, यद्यपि वर्ष 2020-21 कुल मिलाकर कोरोना तथा कोविड लोकडाउन को भेंट चढ़ गया। पूरे वर्ष का विश्लेषण करें, तो इसका नकारात्मक प्रभाव हावी रहा है, किन्तु अब आगे सम्भावनायें-आशाएं अच्छी हैं।

मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन में फेबेक्सा के कार्यालय का उद्घाटन

अहमदाबाद/ कपड़ा व्यवसायियों के सबसे पुराने संगठन मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन की ओर से प्रतिवर्ष 'फेबेक्सा' एग्जीबिशन का आयोजन किया जाता है। इसके लिए महाजन की ओर से फैबेक्सा कमेटी का भी गठन किया हुआ है। विगत दिनों मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन हॉल में ही अलग से 'फेबेक्सा' के लिए बनाये गए अलग कार्यालय का उद्घाटन किया। विगत दिनों जगन्नाथ मंदिर के महंत श्री दिलीप दास महाराज के कर कमलों से फेबेक्सा के नये कार्यालय का शुभारम्भ हुआ। मस्कती महाजन के प्रेसीडेण्ट श्री गोरांग भगत, सचिव श्री नरेश कुमार अग्रवाल, फेबेक्सा फेयर कमेटी के चेयरमेन श्री बाबूलाल सोनीगरा सहित कई गणमान्य कपड़ा व्यवसायी उपस्थित रहे। इस संदर्भ में श्री बाबूलाल सोनीगरा ने जानकारी देते हुए बताया कि अब तक फेबेक्सा फेयर कमेटी के तत्वावधान में दो एग्जीबिशन एवं एक वर्चुअल एग्जीबिशन का आयोजन किया जा चुका है। आगे इस संगठन को और मजबूत बनाने के प्रयास कर रहे हैं। अब भविष्य में फेबेक्सा से संबधित सभी मीटिंग्स फेबेक्सा कार्यालय में ही होगी।

न्यू क्लॉथ मार्केट की नई प्रबंधन कमेटी का गठन

विगत दिनों मस्कती क्लॉथ डीलर्स को. ओ. शॉप्स एण्ड वेयर हाउसेज सोसायटी (न्यू क्लॉथ मार्केट), अहमदाबाद की नई प्रबंधन कमेटी का गठन किया गया, जिसमें श्री गौरांग भगत निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए। वहीं श्री अरविंद जालान, श्री सुरेश मेहता, श्री बाबूलाल सोनीगरा को मंत्री, श्री रामावतार देवड़ा को कोषाध्यक्ष एवं श्री भारत भूषण जैन को संयुक्त कोषाध्यक्ष पद पर चुना गया। न्यू क्लॉथ मार्केट पब्लिक चेरिटेबल ट्रस्ट के सचिव पद पर श्री संजय टिबरेवाल की नियुक्ति की गई तथा श्री भंवर लाल जैन, श्री राजेश अग्रवाल, श्री महावीर प्रसाद जैन, श्री शांतिलाल लूणिया, श्री आनंद स्वरूप बजाज, श्री रमेश चंद सेठ, श्री दिलीप शाह प्रबंधक कमेटी के सदस्य चुने गए।

फेबेक्सा-4th एडीशन की घोषणा

मस्कती क्लॉथ मार्केट महाजन, अहमदाबाद ने फेबेक्सा-4th एडीशन की घोषणा कर दी है। इस संदर्भ में जानकारी देते हुए फेबेक्सा फेयर कमेटी के चैयरमेन श्री बाबूलाल सोनीगरा ने बताया कि दीपावली सीजन-2021 की पूर्व तैयारी के लिए इस बार फेबेक्सा-4th एडीशन का आयोजन 28-31 मई, 2021 को गांधी नगर, अहमदाबाद में किया जाना तय किया है। देश के गारमेण्ट उद्योग को एक ही छत के नीचे फेब्रिक सोल्यूशन प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित फेबेक्सा I-II एडीशन एवं 3rd वर्चुअल एडीशन स्थानीय उद्योग एवं देश के गारमेण्ट उद्योग द्वारा काफी सराहे जा चुके हैं। अब फेबेक्सा-4th एडीशन देश के गारमेण्ट कारोबारियों के लिए एक ही प्लेटफॉर्म पर सब कुछ उपलब्ध कराने एवं नये फैशन ट्रेंडस से अवगत कराने के लिए किया जा रहा है।

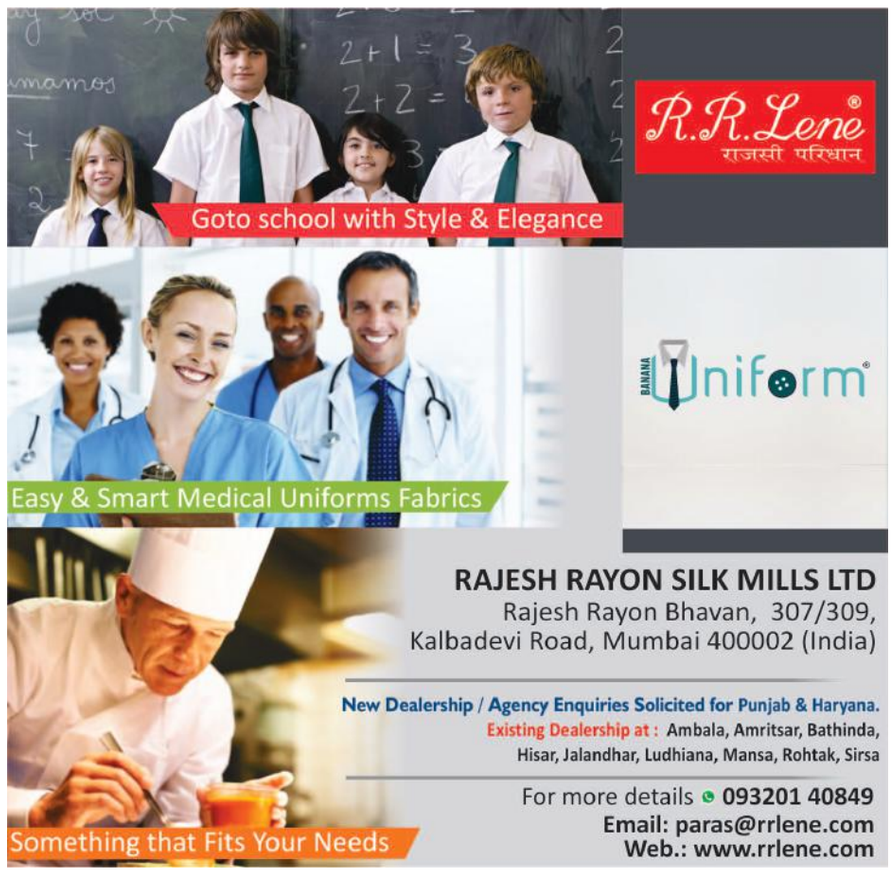

बाजार में ग्राहकी की चहल पहल शुरू

ब्यावर/ अनिल डोसी

बाजार में ग्राहकी की चहल पहल शुरू हो गई है। आगे शादी ब्याह व होली का त्यौहार होने से सभी प्रकार के परिधानों में पूछ परख शुरू हो गई है। इन दिनों जोधपुर, अहमदाबाद की रेयॉन प्रिण्ट, पोशियन प्रिण्ट व भीलवाड़ा की फेन्सी सूटिंग का चलन कुछ ज्यादा ही बढ़ गया है। गर्मी अपना असर दिखाने लगी है। पेमेण्ट की आवक ठीक है। इन दिनों टेरी रूबिया में तेजी बनी हुई है।

J.HAMPSTEAD की कोलकाता एवं गोवा कॉन्फ्रेंस सम्पन्न

व्यापारियों ने स्प्रिंग समर कलेक्शन की कराई जबरदस्त बुकिंग

मुम्बई/ मेन्सवीयर फैब्रिक के सुविख्यात ब्राण्ड जे. हेम्पस्टेड द्वारा आगामी सीजन की तैयारियाँ जोरों पर चल रही है। कम्पनी द्वारा आगामी सीजन हेतु स्प्रिंग समर कलेक्शन लॉञ्च किया, जो व्यापारियों को काफी पसंद आ रहा है। कम्पनी द्वारा हाल ही में 21 फरवरी को कोलकाता में अपनी रिटेल कॉन्फ्रेंस का सफल आयोजन किया, जिसमें व्यापारियों के समक्ष अपना नया कलेक्शन प्रस्तुत किया।

इस कॉन्फ्रेंस के दौरान कम्पनी के रिजनल सेल्स मेनेजर श्री नवल गुप्ता ने बताया कि इस कॉन्फ्रेंस से पूर्व हमारे द्वारा 1 से 3 फरवरी 2021 को गोवा के नोवाटेल होटल में भव्य कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया, जहां कम्पनी ने स्प्रिंग समर कलेक्शन को लॉञ्च किया, जो व्यापारियों को खुब पसंद आया। इस नये कलेक्शन में इनोवेटिव वीव तथा अनेक डिजाइनों में प्रीमियम सूटिंग शर्टिंग की विस्तृत रेंज नये शेड्स में पेश की, जो काफी लाजवाब थी। साथ ही कम्पनी ने अपनी रेगुलर क्वलिटियों में फेशन ट्रेड के अनुरूप अपनी नई रेंज ZANNETI Collection 130, 140, 150 काउंट की रेंज को अपग्रेड कर फील और फिनिश पर बेहतर ध्यान देते हुए वूलन रेंज भी पेश की। इसके अलावा शत प्रतिशत कॉटन शर्टिंग में अनेक प्रकार के शेड्स भी व्यापारियों को खूब पसंद आए एवं उन्होंने आगामी वैवाहिक सीजन हेतू जमकर बुकिंग भी कराई। विदित रहे कि जे. हेम्पस्टेड ब्राण्ड मुख्यतः उच्च जीवन शैली पसंद करने वाले युवाओं तथा हर आयु वर्ग के आधुनिक उपभोक्ताओं की पहली पंसद बना हुआ है। आज जे. हेम्पटेड वूलन फैब्रिक उपभोक्ताओं के दिलों पर राज करता है।

पौद्दार टेक्सटाइल द्वारा आयोजित कार्यक्रम फैशन फियेस्टा 2021 सफलतापूर्वक सम्पन्न

गोरखपुर/ स्थानीय मण्डी में प्रतिष्ठित फर्म पोद्दार टेक्सटाइल द्वारा आयोजित फिएस्टा एक्जीबिशन कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए फर्म के ऑनर श्री कुंज बिहारी पौद्दार ने बताया कि दिनांक 20 से 21 फरवरी को नामचीन होटल रेडिसन में कार्यक्रम आयोजित किया गया था। दो दिन चले इस कार्यक्रम में कई मेन्यूफैक्चरर्स ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया, जिसमें शिरकत करने आए व्यापारियों ने मालों की बुकिंग कराई। लगभग 850 की संख्या में बायर्स ने शिरकत की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कपड़ा उत्पादकों द्वारा अपने प्रॉडक्ट्स रेंज को व्यापारियों को सीधे देखने व खरीदने के साथ उत्पादक व उपभोक्ता के बीच के सम्बन्धों को प्रगाढ़ करने का अवसर भी प्रदान करना था।

कार्यक्रम में आकर्षण का केन्द्र रही मशहूर एक्ट्रेस दीपिका सिंह (धारावाहिक दीया और बाती फेम) समापन समारोह की अतिथि के रूप में सम्मिलित हुई। इस भव्य कार्यक्रम में एक फैशन शो का भी आयोजन किया गया, जिसमें नामचीन मॉडल्स द्वारा फैशन शो एवं रेम्प वॉक किया गया, जिसमें देश के कई प्रतिष्ठित टेक्सटाइल घरानों के उत्पादों का भव्य प्रदर्शन किया गया।

पौद्दार टेक्सटाइल के श्री अभिषेक पोद्दार एवं श्री अंकित पौद्दार ने बताया कि लक्की ड्रॉ कार्यक्रम भी अभिनेत्री दीपिका सिंह के हाथों सम्पन्न हुआ, जिसमें विजेताओं को एलईडी टीवी प्रदान किये गए। दीपिका का स्वागत करते हुए पौद्दार टेक्सटाइल के श्री विनीत पौद्दार ने बताया कि फैशन शो और प्रदर्शनी में आसपास के जिलों के अलावा बिहार तक के व्यापारी बंधुओं ने भाग लिया। श्री महेश पोद्दार ने बताया कि फैशन फिएस्टा में बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की, जिससे कार्यक्रम को शानदार सफलता मिली।

निरन्तर तेजी से उत्पादन व व्यापार प्रभावित

बालोतरा/ लालचन्द पुनीत

तेजी का तीर रॉकेट की तरह गति पकड़ता हुआ आगे बढ़ता प्रतीत हो रहा है। गति में कोई व्यवधान भी नजर नहीं आ रहा है। तेजी इतनी अधिक है कि इसने सभी को हतप्रभ कर दिया है। वस्त्र रंगाई छपाई उद्योग पर इनका प्रभाव कई मायनों में हितकर है तो कुछ में अहितकर। तेजी की सुगंध तो व्यावसायिक दृष्टि से गौरव का प्रतीक मानी गई है परंतु इसने जो स्थिति उत्पन्न की है, उससे क्या करें और क्या ना करें कि परिस्थिति में पैदा कर दी हैं। यार्न बाजार के बढ़ते भावों से ग्रे क्लॉथ महंगा हो गया। हालत ऐसी बनी हुई है कि वीवर भी अन्डर कोस्ट की चपेट में आ गये। माल तैयार करने वालों की लागत इतनी बढ़ गई कि उस रेट में व्यापारी ले ही नहीं पाते। कई उद्यमियों ने सेल ही बन्द कर दिया, वहीं कुछ ने थोड़ी बढ़ोतरी के साथ अपने चुनिन्दा व्यापारियों को संतुष्ट करने का प्रयास किया।

स्थानीय रंगाई छपाई उद्योग में प्रयुक्त होने वाले सभी अवयवों के भावों की छलांगे पर छलांग लगाने की स्थिति बन गई है। वास्तविकता यह है कि स्थिर भाव की स्थिति में उद्योग की सुदृढ़ता, विस्तार व विकास की संभावनाएँ बढ़ती है। तेजी जब सीमा से आगे बढ़ती है, तो मंदी का संशय कचौटने लगता है। इस स्थिति में बड़े उद्यमी जिनके ब्राण्ड, नाम और गुणवत्ता की छाप है, उनकी सक्षमता उनकी गरिमा को बढ़ाने में भले ही सहायक बने, परंतु छोटे उद्यमियों की हालत पतली हो जाती है और उन्हें दूसरा विकल्प खोजने के लिए भटकने की नौबत आ जाती है। आश्चर्य की बात तो यह है कि एक ही दिन में कुछ के भाव तो बदलते ही रहते हैं। ग्रे क्लॉथ की तेजी तो समझ में आती है, मगर रंग रसायन और पेकिंग मेटेरियल की अफलातून तेजी ने तो गुल ही नया खिला दिया है।

ग्राहकी की पूछपरख नाईटी से अधिक पॉपलीन पेटीकोट व सिंथेटिक कपड़े की है। माल के सौदे पट भी रहे हैं, पर माल उतना ही ले रहे हैं, जिनको जितनी मजबूरी है। कुछ भी हो, इतना तय है कि आगे की सीजन को देखते हुए बाजार रंग जमाए बिना नहीं रहेगा। पेट्रोल के भावों की बढ़ोतरी से कई खर्चों में उफान सहज संभव लगता है। आज ग्राहकी छिटपुट स्तर पर भले ही हो, आगे इसमें जो सुधार होगा, वह अप्रत्याशित ही कहा जाएगा।

बालोतरा लघु उद्योग मंडल में आयोजित सभा के उद्यमियों की भारी उपस्थिति ने दर्शाया कि उद्यमी समान हितों के लिए कितने कटिबद्ध हैं। पदाधिकारियों व उद्यमियों ने अपने तथ्यों को विस्तार से प्रस्तुत किया। संवैधानिक स्थिति और चुनाव प्रक्रिया का मुद्दा मंडल व सीईटीपी के मध्य विशेष प्रभावी रहा। आम सभा की अध्यक्षता का गौरवशाली श्रेय प्रसिद्ध उद्यमी श्री गौतम चोपड़ा को रहा।

बालोतरा की जल प्रदूषण समस्या की जांच के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश प्रकाश टाटिया की टीम ने सभी सम्बद्ध स्थानों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण दूषित न हो और लूनी नदी को प्रदूषित ना होने देने हेतु पुख्ता व्यवस्था की जाय। टाटिया ने बताया कि पानी की बूंद बूंद बचाने के लिए अभियान में यहां जो हवा में पानी उड़ाया जा रहा है, इसका विकल्प खोजा जाना चाहिए। उद्योगों का विकास हो, पर प्रदूषण पर पूर्ण अंकुश रखना होगा। जब से बेकिंग सेवाएं अर्थ प्रदान हो गई है, सेवाओं का पूर्ण फोकस व्यापारिक व्यवसायिक हित के परे पूर्णतः अपने हित तक एकाकी सीमित हो रहा है। कई मामलों में तो अधिकारियों का रवैया शोचनीय होता जा रहा है। शिकायत करने का अधिकार है, परंतु ऐसी नौबत ना आये ऐसी नियमबद्धता होनी चाहिए।

स्मार्ट सिटी के कार्य से कपड़ा बाजार प्रभावित

उदयपुर/ नवीन कोठारी

शहर को स्मार्ट सिटी बनाने की कवायद करीब 2 साल पहले से शुरू हो गई थी। शुरुआत में यह कार्य काफी धीमी गति से चल रहा था, किंतु अभी शहर के भीतरी इलाकों में स्मार्ट सिटी का कार्य युद्धस्तर पर चलने से करीब-करीब प्रत्येक मार्ग खुदा पड़ा है। मालदास स्ट्रीट, बड़ा बाजार, घंटाघर, सिटी बाजार, जगदीश चौक, मुखर्जी चौक, हाथीपोल यह सभी स्थान मुख्य कपड़ा बाजार की श्रेणी में आते हैं और इन सभी मार्गों पर बैरिकेट्स लगे होने और सड़कों की खुदाई होने से यहां के वस्त्र व्यापारी काफी परेशान हैं। एक जगह की सड़क अगर खोद दी जाती है तो उसे पूरी तरह से नई, बनाने में कम से कम दो ढ़ाई माह का समय लगता ही है और इस दौरान वहां के निवासियों को भारी कठिनाइयां उठानी पड़ती है तथा वहां के व्यापारियों का व्यापार इतने समय तक ठप्प रहता है। दुकान में ग्राहक तो आते नहीं, उल्टा दिन भर धूल मिट्टी की सफाई करनी पड़ती है। यह बात भी सही है कि कुछ पाने के लिए कुछ खोना पड़ता है। जब स्मार्ट सिटी का कार्य पूरा हो जाएगा, तब शहर का नजारा भी अलग होगा परंतु अभी तो तकलीफ उठानी पड़ रही है।

मौसम एकदम बदलने से लोगों के शरीर से गर्म वस्त्र गायब हो गए। उन्हें वस्त्र विक्रेताओं ने भी बचा हुआ स्टॉक अब अगले वर्ष के लिए रख दिया। शहर में लगने वाले अस्थाई ऊनी वस्त्र बाजार भी बंद हो गए।

जानकारों के अनुसार मौसम को देखते हुए आने वाले दिनों में गर्मी का असर ज्यादा हो सकता है, अतः कॉटन वस्तुओं की मांग बढ़ेगी एवं आने वाला वैवाहिक सीजन भी वस्त्र बाजार में तेजी का रुख दिखा सकता है।

पानीपत हथकरघा उद्योग बिजली विभाग का शिकार

पानीपत/ अशोक शर्मा

पानीपत हथकरघा उद्योग विश्व की सबसे प्रसिद्ध मण्डी है और यह ऐतिहासिक मण्डी भारी मात्रा में देश को विदेशी मुद्रा भी कमा कर देती है, परन्तु इस विश्व प्रसिद्ध मण्डी को लगातार मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। पहले कोरोना के कारण लॉकडाउन की आपदा को झेलना पड़ा, अब किसान आन्दोलन के कारण भी हथकरघा उद्योग ठप्प पड़ा हुआ है। नाम मात्र का भी काम नहीं है। ऊपर से बिजली विभाग ने लोगों को भारी भरकम बिल भेजकर लोगों का जीना हराम कर दिया है। लोग जब बिजली के बिल को ठीक करवाने के लिए बिजली कार्यालय जाते हैं तो वहां बैठे कर्मचारी कहते हैं कि यह तो बिल आपको भरना ही पड़ेगा। इस समस्या के समाधान हेतु जब उद्योगपति बड़े अधिकारियों के कार्यालय में जाते हैं तो वहां एक ही जवाब मिलता है कि साहब मीटिंग में हैं। लोगों का कहना है कि वह बिजली विभाग के चक्कर काट-काटकर थक चुके हैं और बिलों की गलती ठीक नहीं हो पा रही। दूसरी तरफ बिल न भरने पर बिजली कर्मी कनेक्शन काटने को आ जाते हैं। लोगों का कहना है कि एक तो पूरे साल से काम धन्धे ठप्प पड़े हैं। ऊपर से यह नई मुसीबत आ गई और सरकार पर भी इस बात

सरकार में भी कोई सुनवाई नहीं

का कोई असर नहीं। एक उद्योगपति ने बताया कि उनका कोई पिछला बकाया जोड़कर एक लाख से ऊपर का बिल बनाकर भेज दिया, जबकि वह बिल को जब ठीक करवाने हेतु गए तो कई चक्कर लगाने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई। मजबूरी में बिल भरना पड़ा। लोगों का कहना है कि आम जनता को बिजली के यूनिट खर्च करने के बारे कोई जानकारी नहीं है और बिजली विभाग वाले अपनी मनमर्जी चलाकर लोगों को लूट रहे हैं। किसी का एवरेज के नाम पर तो किसी का बकाया के नाम पर बिल भेज रहे हैं और उसपर जो च' वृद्धि ब्याज लगाते हैं उससे तो आम आदमी का जीना ही हराम हो गया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2018 में हरियाणा सरकार द्वारा एक स्कीम जारी की गई थी कि 31 दिसम्बर 2018 तक बिल जमा करवा दो - फालतू का बिल और ब्याज माफ कर दिया जाएगा। लोगों ने 31 दिसम्बर 2018 तक बिजली के बिलों का भुगतान कर दिया था लेकिन अब जो बिल आ रहे हैं उनमें 2018 के पहले का बिल भी जुड़ा हुआ है। जब लोग बिल को ठीक करवाने के लिए जाते हैं और कहते हैं कि यह पिछला तो सारा क्लीयर हो गया था फिर आपने इसमें पिछला बिल क्यों जोड़ा, तब वहां बैठे कर्मचारियों का एक ही जवाब होता है कि तुम्हारा बिल उस माफी वाली स्कीम में नहीं आता, जिस पर लोगों का कहना है कि आम जनता के साथ यह तो सीधा धोखा है। अगर यह बात उसी समय बता देते तो लोग अपने हिसाब से बिल भरते। अब वही बिल ब्याज लगा-लगाकर इतना लम्बा चौड़ा बना दिया है जिसे भरना हमारे लिए मुसीबत बन गया है। एक उद्योगपति ने तो यहां तक कह दिया कि पानीपत का हर व्यक्ति हैण्डलूम उद्योग से जुड़ा हुआ है। एक रिक्शाचालक भी हैण्डलूम के कारोबार से रोटी खाता है। जब वह हैण्डलूम की गांठें उठाकर ट्रांसपोर्ट तक पहुँचाता है तो उसे जो किराया-भाड़ा मिलता है उसी से उसका गुजारा चलता है। ऐसे-ऐसे लोगों को भी अगर भारी बिल भरने पड़ गए, तो लोग कहां जायेंगे। उस उद्योगपति ने एक रहस्य खोलते हुए कहा कि भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद स्व. पं. चेतन लाल शर्मा का परिवार इसी बिजली विभाग की लापरवाही के कारण आज अंधेरे में बैठा हुआ है। उन्होंने कहा कि स्व. पं. चेतनलाल शर्मा जी के जाने के बाद उनके परिवार में कोई कमाई का साधन नहीं रहा। उनके बच्चे छोटी-छोटी नौकरी कर बड़ी मुश्किल से गुजारा कर रहे हैं। उनको भी जो बिजली का बिल दिया गया वह एक लाख से ऊपर का था। पं. चेतन लाल (भाजपा नेता) के परिवार ने लोगों से मांग-तांगकर करीब 60000 रूपये भर भी दिए। लेकिन बिजली विभाग ने फिर भी उनका कनेक्शन काटकर अंधेरे में रहने को मजबूर कर दिया। अब वो मोमबत्ती जलाकर घर का काम करते हैं। पानीपत में ऐसे कई परिवार बिजली विभाग की अंधेरगर्दी के कारण बिजली से वंचित हो गए हैं। क्या सरकार इस बारे कोई ठोस कदम उठायेगी या पानीपत के लोगों को भी धरना और आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा?

बिजली बिल में दिलासा के चलते वस्त्रनगरी में सहूलियत

ऑनलाइन पंजीकरण में उलझन, ऑफलाइन में भी अस्पष्टता

कोल्हापुर/ पावरलूम धारकों की बिजली में सहूलियत के लिए ऑनलाईन पंजीकरण को शासन ने समय बढ़ाने के साथ ऑनलाईन के साथ ऑफलाईन नामांकन दाखिल करने को अनुमति दी है, ऐसे होते हुए उसमें 27 अश्वशक्ति से ऊपर के पावरलूम उद्योग का उल्लेख नहीं है, साथ ही में ऑफलाइन के बारे में भी अस्पष्टता है, जिससे दिलासा मिलने के बाद भी कुछ संभ्रमावस्था हमेशा रही है। शासन इसके बारे में खुलासा करे, ऐसी मांग हो रही है। पावरलूमधारकों को बिजली में सहूलियत देने के लिए ऑनलाईन पंजीकरण करने के आदेश शासन ने निकाले थे। उसमें तीन पन्ने वाली नामांकन दाखिल करने में बड़ी समस्या थी, साथ ही में जो जानकारी जरुरी नहीं है उसकी भी जानकारी मांगने से के साथ कई सवाल पूछ जाने के चलते पंजीकरण को कम प्रतिसाद मिला। इससे इसका विरोध संगठनों द्वारा किए जाने के बाद वस्त्रोद्योग मंत्री श्री असलम शेख और राज्यमंत्री श्री संजय पाटील-यड्रावकर ने इसके लिए ऑफलाईन नामांकन दाखिल करने का सुझाव दिया, लेकिन इसमें भी 27 अश्वशक्ति के ऊपर के पावरलूमधारकों का कोई उल्लेख नहीं है। साथ ही ऑफलाईन नामांकन कैसे भरे, कहां जमा करें इसके बारे में भी संभ्रम हो रहा है। ऐसे में यह सारी पूरी प्रक्रिया रद्द करने की मांग पावरलूमधारकों की संगठनो की ओर से की जा रही है।

समाचार पत्र विवरण फार्म 4 (नियम8)

1. समाचार-पत्र का नाम	: टेक्सटाइल वर्ल्ड
2. प्रकाशन का स्थान	: सी-127 आर.के.कॉलोनी, भीलवाड़ा(राजस्थान)
3.प्रकाशन अवधि	: पाक्षिक
4.मुद्रक का नाम	: योगेन्द्र शर्मा
राष्ट्रीयता	: भारतीय
पता	: सी-127 आर.के.कॉलोनी, भीलवाड़ा(राजस्थान)
5.प्रकाशक का नाम	: योगेन्द्र शर्मा
राष्ट्रीयता	: भारतीय
पता	: सी-127 आर.के.कॉलोनी, भीलावड़ा (राजस्थान)
6.सम्पादक का नाम	: योगेन्द्र शर्मा
राष्ट्रीयता	: भारतीय
पता	:सी-127,आर.के.कॉलोनी, भीलवाड़ा(राजस्थान)
7.उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हैं तथा जो समस्त पूंजी के 1 प्रतिशत से अधिक के हिस्सेदार हो।	: एस एस एस मीडिया पब्लिकेशन्स प्रा.लि. : योगेन्द्र शर्मा :अर्पिता दाधीच : सी-127,आर.के.कॉलोनी, भीलवाड़ा (राजस्थान)

मैं योगेन्द्र शर्मा एतद् द्वारा घोषणा करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिया गया विवरण सत्य है।

स्थानः भीलवाड़ा — योगेन्द्र शर्मा

दिनांकः 28 फरवरी 2021 — प्रकाशक

Celebrating Italian Luxury With Moda Biella's Summer 2021 Collection

Known for its heritage and top notch fabrics, Italian Luxury brand, Moda Biella is all set to launch its Summer 2021 collection. A revered brand in Italy, it is known for producing a remarkable array of beautiful superfine cloths, and this collection will consist of cloths that are colorful, well designed, robust and comfortable.

Moda Biella's fabrics are meticulously woven using lustrous natural fibers, featuring merino fabrics and luxury worsteds in exotic wool blends, with finer micron, finer quality, better handle and drape than before. The brand's wool comes from the Merino sheep in Australia, New Zealand or Tasmania. Woollen fabrics are attributed to be worn in winters and keep oneself warm during the season. However, there is a huge misnomer that wool is a fabric only suitable for winters. Wool is known to be an insultor and therefore keeps you warm in the winters while also being breathable in the summers. It's one of the rare natural fibres that have this trait.

After a thorough process of research and forecasting, the designers at Moda Biella, curated the Summer 2021 collection keeping in mind the celebrated and auspicious wedding season, with fabrics that are lighter, more breathable and more versatile fabrics.

The Summer 2021 collection comprises of four categories –

I. EXCLUSIVE LENGTHS : Leave a Lasting Impression

a) REGIO LUXURA - An exquisite merino/ polyester collection of Super 140's available in the colors of steel grey, oyster, and iron grey blues, presented in micro/ macro structured patterns, minute checks and precise geometrical patterns.

b)SILK FLAIR - An unparalleled blend of merino and silk, a magical ensemble with vibrant colours like wine-red, smoky grey, blues shine across the collection in Super 120's merino. The designs have been influenced by graphic streets and translated into micro/ macro structured patterns, minute checks and broad identical checks.

c) ULTIMATI LANCIANO – Presenting outstanding designs for premium suiting - comfortable executive wear, is available in unique colours and patterns ranging from checks to stripes. This collection is in **Super 100's merino rich blend.**

d) LA SPEZIA EXCLUSIVO - An amazing blend of of merino and poly of Super 90's merino, designs in this range spans across pin checks, graph checks and few micro/ macro structure patterns, available in eye- catchy colors like indigo blue and cocoa browns.

e)MOON LIGHT- A range of jacquards with unique colour combinations and designs, an ideal pick for ceremonial wear.

II. SUITING – UNIT LENGTHS : True Suaveness

a) ESOTICO– Taking Inspiration from the darkness of the night, this fine and elegant range reflects to the colour array spanning across black, purple, blue and grey, interlocking Super 120's cashmere/ wool/ poly.

b) PRESIDENT LINE- Regal collection showcasing darker tones commanding prestige. Choose from classic blues and greys in rich Super 120s merino blends

c) MILLED FINISHES: A refined blend of wool/poly in 70/30, this range is rich in texture and is beyond compare

d) VINCITORE - A collection that is inspired by being victorious, has a prominent use of classic colours like
beige, blue and wine in designs like Prince of Wales, chalk stripe, blending merino/ poly make for extreme comfort.

e) DI LENITIVO– This range is inspired from the 19th century, with a Colour palette including blacks, greys, browns, blues and reds in designs of stripes, checks and unique shapes, manufactured in a blend of Super100's merino, poly and lycra

f)VIBO-VALENTIA- Amongst the repertoire of colours this collection, comprises of an unbeatable combination of patterns, textures & colours, where blue ranks the highest and is extremely dignified. This range is a blend of Super 90s merino/ poly making it fine and refined.

g)CENTARIA- An innovative product with Cationic dyeable polyester and superfine wool. Cationic conveys richness and depth in color value while wool gives a luxury touch. The designs are trendy in vibrant colours

h)ZELKOVA– With minimalistic and classy designs, this range has fine texture playing an important role in the drape of the stitched garment. The collection is in the composition of 90's merino with poly and modal.

i)LUSH MILLAZO- A luxurious and comfortable fabric, available in myriad colours such as burnt reds, light blues, pastel greens and golds, a prime mash up of Super 70's merino/ poly makes it cozy & comfortable

j)CELEBRATION – Inspired by the mood for celebration, choose from myriad colours in this collection like blues, browns, greens, golds and aquas.

k)TREND DLITE - A superlative alliance of Merino/ Poly with the joint effort of Super 90s, spick and span designs revolving around the contemporary state of art. The range is full of virgin, modish and distinct vogue.
With the youthful hue like royal sapphire, jet ebony and blossoming roses.

l)DONICY- A luxurious 120s blend of poly/ wool/cellulose perfect for all seasons

III. JACKETING : The Heir of Heritage

a)EMPEROR'S JEWEL- Honoring nature's abundance - the change of seasons and the fleece of cashmere goats. The array of colors adorning the collection make it look sophisticated.

b)FAZIO DI MILANO - Inspired by different geometrical patterns in an uber-fine exotic wool blend; perfect for jacketing. Interesting check patterns and vibrant colors defines this collection.

IV. SPECIAL BLACKS

a) BLACK VOLCANO– This collection which integrates the dark of the night, abundantly using brunette colours with an emphasis of the darker/blacker tones.

b)ONYX - An all wool 140s ultimate collection of a range of muted tones like ebony, coal and charcoal in urbane designs.

V. SPECIAL WHITES

a) LA NEVE - A wonderfully lustrous fusion of micro and macro structure patterns and geometrical patterns too. The range of whites are pearl, bleached, milky, snowy and white.

VI. ESSENTIALS: Eternally classic

a) NEO TECH® - The culmination of extensive efforts in research and development; done with the
intention of bringing a paradigm shift in the Indian Textile industry. Leveraging NEO TECH® techniques, Moda Biella has developed specially designed anti-viral and anti-bacterial fabrics inhibiting the growth and retention of micro-organisms within minutes, making them safe and hygienic. These fabrics retain their properties up to even 30 washes, and are suited for everyday wear.

b) MAJESTICO- A Super 120's wool rich premium fabric with both pastel and dark shades, ideal for premium suits & trousers

c) SCINTILLA - Exquisite Super 120's blended with wide range of greys, blues, greens & wines

d) FASHIONISTO- Vibrant colours in Super 100's blend, best choice for trendy fashion wear.

e) INFINITO- Wool rich Super 100's blend with a wide range of impressive colours

f) ITALIA KHAKI- A biscuit brazen, brownish khakhis are part of this range. The perfect mixture is perfect for suitings

g) FORTUNA - All-year round fabric perfect for everyone

Vikram Mahaldar, MD & CEO, OCM Pvt. Ltd., said, "With this wide-range of fabrics and plethora of shades that Moda Biella's Summer 2021 Collection has to offer, customers will certainly have plentiful options to choose from. Post the pandemic we are excited to launch this collection, as it highlights varied woollen blends that are extremely comfortable, breathable and lightweight, perfect for summers and the weddings. We, at Moda Biella, will continue to introduce innovative fabrics for our customers."

Malcolm Campbell, European Advisor– Moda Biella, said, "The Fashion Scene for 2021 will be exciting, stimulating and thrilling to an audience of consumers who want to be treated to a new, positive, and enthralling array of fashion fabrics in new textile designs, nature inspired colours, technical innovation and beautiful cloth finishes. The new sartorial suit ideas for Spring 2021 in textures and small check designs for two piece and three piece suits, christened 'Beautiful Biella'. Moda Biella, the heritage of luxury fabrics from Italy is now leading the way to a new brighter future in luxury fabrics offering exclusive colouration, enhanced creativity, exquisite finishes, elevated performance, excellent value and elegant styling presenting a plethora of options for the customers to choose from."

SGS® की भव्य मेगा कॉन्फ्रेंस को गोवा में भरपूर समर्थन

मुम्बई/ टेक्सटाइल उद्योग के अपेरल ब्राण्ड एसजीएस द्वारा आगामी सीजन को ध्यान में रखते हुए 19 से 25 फरवरी तक गोवा में भव्य मेगा कॉन्फ्रेंस का सफल आयोजन किया। इस मेगा कॉन्फ्रेंस में व्यापारियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। कम्पनी के डायरेक्टर श्री किशोर राठी ने बताया कि कोलकाता में हुइ मेगा कॉन्फ्रेंस से उत्साहित होकर हमने गोवा में भव्य कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस कॉन्फ्रेंस में आन्ध्रप्रदेश, तमिलनाडू, कर्नाटका एवं महाराष्ट्र के व्यापारियों ने भाग लिया और सभी व्यापारियों ने कम्पनी द्वारा उत्पादित सभी लेटेस्ट कलेक्शन की जमकर तारीफ की एवं बढ़चढ कर बुकिंग कराई। इस कॉन्फ्रेंस में व्यापारियों ने बुकिंग के साथ साथ गोवा के पर्यटन स्थलों का भी भरपूर आनन्द लिया। काफी समय बाद व्यापरियों के बाहर निकलने से व्यापारियों में काफी उत्साह बना हुआ था। इस कॉन्फ्रेंस में कम्पनी द्वारा सूटिंग शर्टिंग की विस्तृत रेंज जिसमें टीआर की सभी क्वालिटीयाँ व फैन्सी धागों से निर्मित क्वालिटीयों का भव्य डिस्प्ले किया गया, जो आगामी सीजन में अच्छी बिकेगी। श्री राठी ने बताया कि इस मेगा कॉन्फ्रेंस में व्यापारियों को कोरोना की सम्पूर्ण सुरक्षा दी गयी थी। इसके अतिरिक्त उनके आने जाने से लेकर खाना व ठहरने का सम्पूर्ण ध्यान रखा गया। उन्हें हमेशा की भांति 'भरोसे की परम्परा' का निर्वाह करते हुए व्यापारियों को साथ रखा गया।

27 फरवरी से 2 मार्च तक मसूरी कॉन्फ्रेंस में व्यापारियों का उत्साह कायम

सम्पादकीय....

उच्च शिक्षा में पढ़ाई के लिए भारतीय भाषाओं में स्तरीय पुस्तकें तैयार करना बड़ी चुनौती

शिक्षा से जुड़े एक वेबिनार में प्रधानमंत्री ने प्राइमरी से लेकर उच्च शिक्षा तक भारतीय भाषाओं में पाठ्यसामग्री तैयार करने की जो जरूरत जताई, वह नई शिक्षा नीति के अनुकूल ही है। प्रधानमंत्री का वक्तव्य इसकी पुष्टि करता है कि सरकार भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन यह आसान काम नहीं। इसलिए नहीं, क्योंकि उच्च शिक्षा के स्तर पर पढ़ाई के लिए भारतीय भाषाओं में स्तरीय पुस्तकें तैयार करना एक बड़ी चुनौती है। इस चुनौती को पार किए बगैर देश के विभिन्न हिस्सों में छात्रों को उनकी अपनी भाषा में उच्च शिक्षा प्रदान करने का लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सकता। यह भी ध्यान रहे कि इस लक्ष्य को हासिल करने में वह वर्ग बाधक बन सकता है, जिसने अंग्रेजी को श्रेष्ठता बोध से जोड़ दिया है। इस वर्ग ने यह माहौल भी बना दिया है कि आधुनिक जीवन की भाषा तो अंग्रेजी ही है। आवश्यक केवल यही नहीं है कि प्राइमरी से लेकर उच्च शिक्षा तक की पढ़ाई भारतीय भाषाओं में दी जाए, बल्कि यह भी है कि स्कूली शिक्षा के स्तर पर अंग्रेजी के वर्चस्व को तोड़ा जाए। अंग्रेजी एक भाषा के तौर पर तो पढ़ाए जाने की जरूरत है, लेकिन इसके नाम पर जिस तरह उसे पठन-पाठन का माध्यम बना दिया गया है, उससे मुक्ति पाने के ठोस प्रयास करने होंगे। अंग्रेजी की महत्ता से इन्कार नहीं, लेकिन केवल उसे ही तरक्की की भाषा मानने का कोई औचित्य नहीं। आखिर जापान, जर्मनी, फ्रांस, दक्षिण कोरिया आदि देशों ने अपनी ही भाषा में प्रगति की है, न कि अंग्रेजी के बल पर। संपर्क भाषा के तौर पर भी अंग्रेजी का महत्व है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि वह अन्य भाषाओं पर राज करे। स्कूलों से लेकर विश्वविद्यालयों तक की पढ़ाई भारतीय भाषाओं में कराने की मुहिम तब आगे बढ़ेगी, जब इन भाषाओं को शिक्षा संस्थानों से इतर भी महत्ता मिलेगी। आखिर अधिकाधिक सरकारी कामकाज भारत की भाषाओं में क्यों नहीं हो सकता? सवाल यह भी है कि हमारी अपनी भाषाएं न्यायपालिका की भाषा क्यों नहीं बन सकतीं? क्या इससे बड़ी विडंबना और कोई हो सकती है कि उच्चतर न्यायपालिका में लोग अपनी भाषा में न्याय भी हासिल नहीं कर सकते? क्या कारण है कि संसद में पेश किए जाने वाले विधेयक मूलतः अंग्रेजी में तैयार करने की बाध्यता है? स्पष्ट है कि भारतीय भाषाओं में पठन-पाठन के कदम उठाने के साथ भारतीय भाषाओं की उपयोगिता बढ़ाने की जो जरूरत है, उसकी भी पूर्ति करनी होगी। यह भी समझा जाना चाहिए कि अंग्रेजी के नाम पर अंग्रेजियत की जो संस्कृति पनप गई है, वह भारतीय भाषाओं के विकास में बाधक बन रही है।

मौसम ने ली करवट : इंतजार बरकरार

सीमित ग्राहकी आरंभ, फिर भाव वृद्धि के संकेत

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

दिल्ली कपड़ा बाजार में गत सप्ताह सीमित ग्राहकी आरंभ हो गई है, लेकिन लम्बी ग्राहकी के लिए अभी थोक व कपड़ा व्यापारियों को इंतजार करना पड़ रहा है। इसी बीच, मौसम ने भी करवट बदली है और अब गर्मी आरंभ हो गई है तथा लगभग 10 वर्ष में पहली बार फरवरी में गर्मी का माहौल देखने को मिला है। इससे विटंर सीजन की जो सीमित ग्राहकी खुदरा में आने की आशा थी वह अब समाप्त हो गई है तथा व्यापारियों ने समर की तैयारी आरंभ कर दी है। बहरहाल, वैवाहिक तिथियों को देखते हुए व्यापारियों को समर सीजन की ग्राहकी का अभी लम्बा इंतजार करना पड़ सकता है, क्योंकि अप्रैल और मई में केवल सीमित वैवाहिक तिथियां ही हैं।

भाव वृद्धि पची...

इसी बीच, विगत दिनों मिलों ने फैब्रिक के भाव में जो वृद्धि की थी, बाजार उसे पचा गया है लेकिन निर्माताओं ने फिर उत्पादन लागत में वृद्धि की बात करने के साथ ही भाव वृद्धि के संकेत दे दिए हैं। व्यापारियों का कहना है कि स्टॉक की कमी के कारण निर्माताओं द्वारा विगत दिनों में जो भाव वृद्धि की गई थी, वह बाजार लगभग पचा गया है। बाजार में उठाव कमजोर है, लेकिन सीमित सप्लाई और उत्पादन लागत में वृद्धि की आशंका से व्यापारी कुछ स्टॉक ही उठा रहा है। उल्लेखनीय है कि लॉकडाउन के दौरान उठाव में कमी आने से सिंथेटिक और कॉटन फाइबर के भाव में भारी मंदा आया था लेकिन बाद में कॉटन, सिंथेटिक फाइबर आदि के भाव मे तेजी आ गई, क्योंकि कच्चे तेल के भाव में बढ़ोतरी हो रही थी और पिछले दिनों विश्व बाजार में भाव लगभग एक वर्ष के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए थे। इसे देखते हुए यार्न के भाव में लगातार तेजी आ रही है।

बुकिंग-कांफ्रेंस...

बाजार की स्थिति को देखते हुए बुकिंग और कांफ्रेंस में व्यापारी सतर्कता बरत रहे हैं, और यही स्थिति मिलों की भी है। हालांकि विगत दिनों कुछ उत्साही मिलों ने गोवा आदि में कांफ्रेंस आदि करके अच्छी बुकिंग बटोरी भी है लेकिन व्यापारी भुगतान के प्रति आशंकित हैं, क्योंकि सीजन की देरी से उठाव प्रभावित हो सकता है। विगत दिनों गोवा में कैडिली ने अच्छी बुकिंग ली है। खुदरा व्यापारियों का मानना है कि पिछले दिनों में बाजार में अच्छी ग्राहकी चलने पर उनका स्टॉक काफी हद तक सुलट गया है और अब वे नई खरीद कर रहे हैं, लेकिन काफी सोच समझ कर।

रेडीमेड निर्माता असमंजस में...

इधर फैब्रिक के भाव मे भारी वृद्धि को देखते हुए रेडीमेड गारमेण्ट निर्माता असमंजस की स्थिति में हैं, इससे लागत बढ़ रही है लेकिन आगे बाजार की स्थिति स्पष्ट नहीं है। व्यापारियों के अनुसार लॉकडाउन के बाद काउंटर सेल प्रभावित हुई है, हालांकि आॅनलाइन कारोबार में सुधार हुआ है। इससे बड़े गारमेण्ट निर्माताओं पर तो कोई खास असर नहीं पड़ा, लेकिन छोटे निर्माताओं का कारोबार प्रभावित हुआ। वैवाहिक साड़ियों और लहंगा आदि की बाजार में कोई खास मांग फिलहाल नहीं आ रही है लेकिन आशा है कि होली के आसपास मांग जरूर आएगी, क्योंकि अप्रैल और मई में कुछ मुहूर्त हैं।

कॉटन में भारी तेजी...

इधर कॉटन के भाव में आई तेजी का असर कॉटन फैब्रिक पर पड़ रहा है। हालांकि आगे समर सीजन है और कॉटन की अच्छी मांग रह सकती है, लेकिन ऊंचे भाव पर थोक और खुदरा व्यापारी स्टॉक पकड़ने में हिचकिचा रहे हैं। व्यापारियों के अनुसार कॉटन ग्रे के भाव में उतार-चढ़ाव ऐसे आ रहा है, जैसे शेयर बाजार या सट्टा बाजार में आता है।

पोली-वॉयल की मांग...

इस समय बाजार में रुबी की पोली-वायल की अच्छी मांग बनी हुई है और डिजिटल प्रिन्ट के लिए भारी मात्रा में फैब्रिक जा रहा है। समर में इसकी अच्छी मांग भी रहेगी, क्योंकि इसकी लुक और फील टू बाई टू रुबिया की भांति है।

पेज 1 और 10 का शेष

कॉटन यार्न की...

क्योंकि आगे कपड़ों की मांग बढ़ने के पूरे आसार हैं। पाइपलान पहले से ही खाली है, यदि उत्पादन स्थिर नहीं रहा तो कपड़ों की किल्लत हो सकती है। ग्रे कपड़ों के भाव में भारी वृद्धि होने पर इसका बिकना कठिन होगा। मास्टर वीवर यार्न का भाव घटने पर कपड़ों का भाव घटाकर काम चला लेते हैं, लेकिन जॉबवर्क करने वाले पावरलूम मालिकों के लिए यह स्थिति सम्भव नहीं है, इनको इससे भारी नुकसान होता है, जो पहले से ही परेशान हैं।

गारमेण्ट में रुख...

अभी स्कूल खुले नहीं है, न ही जल्दी खुलने की संभावना है। नई सीजन में यदि कलर डिजाइन नहीं बदले तो इन्हें राहत मिलेगी अन्यथा पुराने डिजाइन को बाजार में बेचना कठिन होगा। स्कूल यूनिफॉर्म के उत्पादकों एवं व्यापारियों के सामने भी इसी तरह की समस्या है। अभी बीच में यार्न के भाव बढ़ने पर शर्टिंग एवं सूटिंग के भाव बढ़े थे, इसमें पुराना स्टॉक बाहर निकालने के लिए इन व्यापरियों को एक अच्छा मौका मिला, व थोड़ा स्टॉक कम करने में मदद भी मिली है। अब गारमेण्ट की डिजाइन एवं सेम्पल तैयार कर गारमेण्ट इकाई को देने वाले जॉब वर्करों की फौज तैयार है।

कोरोना पर लगाम...

अभी डेढ़ महीने बाजार में ग्राहकी कमजोर रहेगी, शादी के मुहूर्त अप्रैल के अंतिम सप्ताह से है, लेकिन मई एवं जून में शादियों का मुहूर्त अधिक होने से उस दौरान कपड़ों की सभी वेराइटी में अच्छा कारोबार होने की आशा व्यापारी लगाए बैठे हैं। अभी रमजान के लिए सफेद फिनिश कपड़ों की थोक बाजार में थोड़ी-थोड़ी मांग निकल रही है। खुदरा बाजारों की मांग निकलने में अभी समय है। लेकिन बाजार में आगे अच्छे कारोबार होने के संकेत साफ नजर आ रहे हैं। बाजार की पूरी पाइपलान खाली है। ग्रे कपड़ों से लेकर फिनिश तक कहीं भी भरमार की स्थिति नहीं है। कुछ स्थानों पर इसकी झलक दिखाई दी है, जहां सिंथेटिक, ब्लैंडेड और कॉटन कपड़ों की अच्छी मांग निकल रही है। सूटिंग एवं शर्टिंग में अभी मांग उतनी अच्छी नहीं है, लेकिन यार्न की भाव वृद्धि और ट्रांसपोर्ट भाड़ा बढ़ जाने का असर इनके आइटमों की भाव वृद्धि पर दिखाई दे रहा है। यार्न के भाव जो बढ़े थे, वे अब घट चुके हैं, बावजूद सूटिंग उत्पादकों ने बढ़ा भाव नहीं घटाया। जहां कुछ हल्की सूटिंग के भाव में 7 से 8 रू. बढ़े है, तो अच्छी क्वालिटी की सूटिंग में 10 से 12 रू. की बढ़ोतरी की गई है। इसी तरह शर्टिंग में बड़े पना में चार से सात रू और छोटे पना में 2 से 3 रू. भाव बढ़े हैं। शादी की मांग को ध्यान में रखते हुए मिक्स एंड मैच पैकिंग तथा कम्बो पैक की मांग निकली है, इसमें कारोबार अच्छा हो रहा है। साटीन वीव की मांग है तथा भाव 85 से 86 रू. के बीच है।

पावरलूमधारकों को मिली सहूलियत : मंत्री श्री राजेंद्र पाटील ने दिया आश्वासन

कोल्हापुर/ राहुल खाड़े

राज्य के पावरलूमधारकों को बिजली बिल में सहूलियत मिलने के नामांकन दाखिल करने दो माह का समय बढ़ाया गया। इसके बारे में वस्त्रोद्योग राज्यमंत्री राजेंद्र पाटील-यड्रावकर ने शिष्ट मंडल को आश्वासन दिया है, ऐसी जानकारी पावरलूम जागृती संगठन के अध्यक्ष श्री विनय महाजन ने दी।

इसके बारे में और जानकारी देते हुए श्री विनय महाजन ने कहा कि, राज्य सरकार ने सभी पावरलूम धारकों को बिजली दर में सहूलियत चाहिए तो हर पावरलूमधारक 28 फरवरी तक वस्त्रोद्योग संचालक की वेबसाइट पर ऑनलाईन नामांकन दाखिल करने के लिए कहा गया था। यह फैसला रद्द करने के बारे में पावरलूम जागृती संगठन की ओर से राज्य के वस्त्रोद्योग मंत्री श्री अस्लम शेख को मेल के जरिए और वस्त्रोद्योग राज्यमंत्री श्री राजेंद्र पाटील-यड्रावकर को प्रत्यक्ष मिलकर दिया गया। इसके बारे में सौंपे ज्ञापन में कहा है कि, इचलकरंजी शहर यहां वस्त्रोद्योग के चलते महाराष्ट्र का मेनचेस्टर के तौर पर पहचाना जाता है, लेकिन पिछले दस सालों में शासन के उदासीन आर्थिक नीति के चलते वस्त्रोद्योग व्यवसाय बड़ी समस्या का सामना कर रहा है। वस्त्रोद्योग नीति 2018-23 के तहत बिजली सहूलियत मिलने वाले 27 अश्वशक्ति से कम और ज्यादा क्षमता होने वाले पावरलूमधारकों को ऑनलाईन नामांकन दाखिल करने के लिए 28 फरवरी तक समय दिया था, जबकि इस समय तक नामांकन दाखिल नहीं करने वाले पावरलूम धारक की सहूलियत बंद करने के निर्देश प्रशासन की ओर दिए गए, लेकिन ऑनलाईन नामांकन दाखिल करने मे बड़ी समस्या है। इस प्रक्रिया के चलते राज्य के एक भी पावरलूमधारक को लाभ नहीं मिलेगा। शासन ने अब सीधे पावरलूमधारकों को 5 फीसदी अनुदान घोषित किया, लेकिन इसका लाभ किसी भी पावरलूमधारक को नहीं मिला है, क्योंकि इसमें भी ऑनलाईन नामांकन दाखिल करना पड़ता है। बड़े पैमाने पर पावरलूमधारक साक्षर नहीं होने से भी यह प्रक्रिया संभव नहीं है।

पावरलूमधारकों को बिजली बिल में सहूलियत मिलने के बारे में वस्त्रोद्योग राज्यमंत्री श्री राजेंद्र पाटील-यड्रावकर को पावरलूम जागृती संगठन के अध्यक्ष श्री विनय महाजन व संगठन के अन्य पदाधिकारियों ने ज्ञापन दिया।

अब कोरोना का संसर्ग बढ़ रहा है। ऐसे में इस छोटे व्यावसायिकों के लिए और वस्त्रोद्योग की दृष्टि से ऑनलाईन नामांकन दाखिल करने का फैसला वापस ले और सभी को पहले की तरह सहूलियत दे।

इसी बीच मंत्री पाटील-यड्रावकारने बैठक से वस्त्रोद्योग सचिव श्री पराग जैन को फोन लगाया और नामांकन दाखिल करने में आनेवाली समस्या बताई। तब श्री. जैनने 27 एचपी के उपर पावरलूमधारकों को दो माह समय बढ़ाना और 27 एचपी के नीचे होने वाले पावरलूमधारकों को ऑनलाईन और ऑफलाईन नामांकन दाखिल करने सुविधा देने की बात कही। इस दो माह के बीच वस्त्रोद्योग मंत्री श्री अस्लम शेख के साथ बातचीत कर यह प्रक्रिया रद्द कराने की कोशिश करेंगे, ऐसा आश्वासन भी मंत्री श्री पाटील ने शिष्टमंडल को दिया।

G.I.S. COTTON MILLS LTD.

PH.329333, 93525-70138

32 PC	NA
2/30 PC TFO	NA
2/40 PC Dimond	NA
2/40 PC White Gold	NA
2/30 Black Poly	NA
1/18 Black Poly	NA

GRASIM INDUSTRIES LTD.

PH. 247324, 93521-45544

2/30 NTBL	215
2/40 Dyed	253
2/50 Dyed	305

ANAND SPINNERS

PH. 260780, 9829046961

2/32 Pvt HD Solid	NA
2/32 Pvt HD Frosted	NA
2/32 Pvt HD Grindle	NA
2/40 Pvt HD Solid	NA
2/40 Pvt HD Frosted	NA

ARHAM SPINNING MILLS

NAHAR GROUP

PH. 230720, 9414114056

2/40 PC Combed TFO	250
2/40 P/C Elitwist	230
2/40 Cotton Elitwist	235
2/30 Cotton Corded TFO	205
2/36 Cotton Elitwist	-----
2/36 P/C	-----
Cotton Lycra 1/14	-----
Cotton Lycra 1/16	215
Cotton Lycra 1/12	205
2/30 PV Local TFO	196

SUCHITA MARKETING PVT. LTD.

PH. 93525-36382, 94141-44161

2/30 Poly Grey	170 + GST
30 Poly Grey	155 + GST
2/30 Black	185 + GST
320 Text DMS	109 + GST

RELIANCE CHEMOTEX LTD.

PH. 247711, 98290-45352

2/30 Solid	210
2/40 Solid TFO	250
25 Syro	-----
2/30 Frosted	209
2/30 Black	202
2/40 Black	235

HIND SYNTEX LTD.

PH. 247916, 94141-15916

2/15 Gray Blanded	172+GST
2/30 PV	200+GST
2/20 PV 65/35	NA
15S PV	160+GST
2/24 PV	190+GST
2/30 Polyester TFO	165+GST
2/20 Polyester TFO	NA

VISAKA IND. LTD.

PH. 93514-27900, 96604-14405

2/30 100% Polyester Gray	150
2/30 65/35 Black	215
2/30 65/35 Gray	190
2/40 65/35 Black	250
2/30 PV 65/35 Havy Dark Dyed	230

Ratan Barjatiya Yarn Spinners P. Ltd.

PH. 94141413144

JAGDAMBA SPINNING MILLS	
2/30 PV GREY	202
2/24 PV GREY	194
2/20 PV GREY	186
2/18 PV GREY	178
2/15 PV GREY	170
1/20 PV GREY	165
1/15 PV GREY	158
1/10 PV GREY	156
2/30 POLY GREY	170
2/24 POLY GREY	164
2/20 POLY GREY	158
2/15 POLY GREY	150
1/15 PLOY GREY	140
1/10 POLY GREY	136
1/8 POLY GREY	136

SIVANTA SPG.	
2/40 PV GREY	235
2/30 PV GREY	198
1/40 PV GREY	158
2/30 POLY GREY	170
1/15 POLY GREY	138
ANKUR UDYOG	
2/30 PV GREY	198
1/15 PV GREY	158
2/30 POLY GREY	170
1/15 POLY GREY	138
K.K. SPINTEX PVT. LTD.	
2/60 PV GREY	320
2/50 PV GREY	280
2/40 PV GREY	240

(Rs. 6/- Extra for R.T. Yarn)

BANSWARA SYNTEX LTD.

PH. 247656, 94141-11656

1/20 SILKY	219	2/40 PVT TBL Frosted Thrill	207
1/20 DYED LYCRA	315	2/40 PVT Fancy Thrill	219
1/20 DYED 65/35 HT	215	2/40 PVT Fancy Thrill 45/24	232
1/30 Dyeds Fancy	251	2/50 Dyeds Non TBL	320
2/30 Dyeds NTBL Frosted	225	**Grey**	
2/30 Airjet DYED 65/35	225	2/40 AIRJET DYED	249
2/28 Dyed Lycra	310	2/38 LYCRA DYED	335
2/40 Dyeds Non TBLMelange	263	2/48 LYCRA DYED	353

Shri Raj. Texchem Ltd. Shri Raj. Syntex Rajasthan Polycot

PH. 74278-96688

1/15 PV Gray	155
2/15 Grey TFO	170
2/30 PV Grey	194
2/30 Poly	165
2/18 PV Grey	175
2/24 Poly Grey	186

C.T.M.

PH. 247511, 247512, 94141-12130

2/30 NTBL	233
2/18 Dyed	206
2/40 Dyed	273
2/50 Dyed	323
2/30 Frosted	221
2/30 Dyed Slub	-----
2/30 Polyster	-----
2/30 School Dress Clourer	-----

R.T.M

PH. 24766, 93140-32404

2/30 Dyed Ntbl	240
2/40 Dyed	268
2/30 Frosted	228
2/30 Cotton Carded	-----
30^{s} Cotton Comded	-----
30^{s} Cotton Comded Weaving	-----
30^{s} Cotton Semi Combed	-----
24^{s} Cotton Comded	-----

Birla Tex Mills

2/30 Cotton Carded	-----
30^{s} Cotton Compact	-----
30^{s} Cotton Com bed Weaving	-----
2/30 Cotton	-----
2/18 Dyed	192

Courtesy By Suresh Saraf, Mumbai

M 9322504449

150/0/ Grey Roto	099
150/350 Grey	112
150/108/350	114
80/72 Fulldull	98
480 Roto	091
640 Roto	092
150 Black DPD	097

SIYARAM SILK MILLS

Space Dyes Yarn	160
150/350 Dyed	160

Kishangarh Yarn Bazar

PH. 98297-21313

JAGDISHKOTHIWAL CON YARN (Per 5 K.G.)

16 Arihant Viscous	595
16 Vardhaman ND	-----
20 Patiyala Silver	835
20^{s} Puja viscous	650
16^{s} cottspin	590
20^{s} Mahadev	830
23 JS Viscous	700
20 VISCOUS	645
20 PREMIER.	810
20 Gc Thread Warp	835
20 JS	645
23 Solan	700
23 G.C. Nala Gragh	865

GST Paid

NKCM GROUP

Mob: 093611-98787

Quality	RATE
30's VSf	215
40's VSf	235
2/40' s VSf	265
30 SLUB	230
30's HT	----
13' Cotton flax	----
20 Cotton flax	----

SIDDHESHWAR TEXTILES

PH. 94141-12223, 94130-57855

Polyester Silkon Yarn

Quality	RATE
150/2-310 Dyed	170.00
100/2-210 Dyed	190.00
150/2-310 White	155.00
150/2-310 Colour	
Pulus Bright	155.00
150/2-310 Catonic Bright	165.00

VISCOSE RAYON YARN

Quality	RATE
180/2 Viscose Rayon	385.0
150/2 Viscose Rayon	435.0
100/3 & 120/3 Viscose Rayon	435.0

Other Yarn

Quality	RATE
2/30 Viscose	
100% Grey	220.00
2/40 Acrylic	
100% Grey	335.00
2/30 Acrylic	
100% Golden	365.00
2/30 Acrylic	
100% Golden Pear	415.00
400 Dn. Metallic Yarn	
Gold/ Silver	350.00
225 Dn. Metallic Yarn	
Gold/ Silve	450.00
150/350 SD	
Grey Tex	132.00
150/350 SD	
Black Tex	-------
150/400 SD	
Black Tex	-------
200/96/300 SD	
Black Tex	-------
330 Dn Black	
Hores	-------
400 Dn Black	
Miracle	-------
400 Dn White Miracle	-------

SUDHA TEXTILE AGENCY

PH. 94142-62143

150/2 Bright Dyed	170+Vat
180/2 Rayon Dyed	365+Vat
150/2 Bright White	140+Vat

Raghav Group

M. 94141-11402, 93144-66747

Raghav Agency Trident Ltd.

1/10 OE	145
1/14 OE	160
1/16 OE	165
1/20 OE	182
30 KW	215
30 CW	242
2/40 CW ELLY	240
30 CW COMPACT	250
40 CW COMPACT	270
60 CW COMPACT	328
50 CW COMPACT	229
Ankur Udyoug	
1/30 Polyester 100%	144+GST
1/20 Polyester 100%	139+GST
1/15 Polyester 100%	133+GST
Sidhartha Super Spinning Mills	
2/15 P/V Dyed OG	180+GST
2/18 P/V Black	160+GST
2/30 P/V Black	190+GST
LNJ DENIM	
6 OE	145
7 OE	146
8 OE	149
9 OE	-----
10 OE	152
10 Lycra	220
16 Lycra	230
10 Slub Lycra	230
16 Slub Lycra	-----
SRM SPINNERS LIMITED	
2/30 P/V Black	-----
2/18 P/V Black	-----

MODTEX TEXTURISERS

PH. 246496, 98292-50430

150/400 Cone Dyed	162 +GST
2/30 Cone Dyed	190 +GST
150 HIM Cone Dyed	152 +GST
300 HIM Cone Dyed	151 +GST
150/400 Gray	125 +GST

GORAKHPUR YARN PRAHALAD RAI & CO.

PH. 99358-27000

MAHABIR

2/30 P/V	220
2/40 P/V	250
1/20 P/V	190
1/15 P/V	180
Janvi	
15 Psy	150
ANKUR	
2/30 Psy	190
TRIVENI	
2/30 Black	195

Inclusive of 12 % GST

टेक्सटाइल वर्ल्ड

यार्न रेट्स और समाचार पत्र प्राप्त करनें के लिये सम्पर्क करें।

फोन न. 01482-237165, मो. 8387844798

VALSON INDUSTRIES LTD.

PH. 94141-12223, 94130-57855 (Exclusive of GST)

Dyed Yarn			Grey Yarn	
Quality	LT/MD	DARK	Denier	Net Rate
150/0 Weft Dyed	217.00	207.50	80/300 Grey Yarn	136.00
150/0 Rotto Dyed	222.00	232.00	80 Royal Warp Rotto	138.00
150/350 Cone Dyed	233.00	243.00	80/72/2 Royal Warp Catonic	162.00
85/0 Rotto Dyed	231.00	241.00	80/72/2 FD Cotlook HIM	164.00
85/300 Dyed	231.00	241.00	80/2/72/300 FD Roto	191.00
85 Royal Rotto Twist Dyed	249.00	259.00	80 Roto White Yarn	174.00
80/72 Rotto Cotluk Dyed	256.00	266.00	150/325 Twisted Grey	145.00
80/34/600 Dyed Yarn	261.50	271.50	150/325 Dope Dyed Black	150.00
150/350 Bright Dyed	268.00	278.00	150/500 Dope Dyed Black	149.00
			155/2/250 Twisted Grey	153.00

Fancy Yarn-

250 Galaxy	274.00	2/45 Innova Dyed	234.00
160 Tex Space Dyed Sober	229.00	170/350 Bright Space Dyed	215.00
160 Bright Space Dyed	229.00	170/350 Sundram	234.00

PANIPAT YARN

Mob: 9416031498

TEXTURISE		6 CONE	60-90
150 Roto Grey	110-120	8 CONE	75-100
150 Roto Black	115-120	10 CONE	75-100
150 Roto Bright	120-130	2/4 CONE	60-82
150 Roto Dyed	120-130	2/6 CONE	75-110
150/250 Roto Grey	125	2/8 CONE	84-120
150/250 Roto Dyed	149-160	2/10 CONE	85-130
150 Fdy	105	2/20 CONE	145-185
P.V. Yarn		2/30 CONE	225
2/30 Grey CL	170	2/40 CONE	255
2/40 POLY	180	**STAPLE YARN**	
2/15 Poly CL	125	10 CONE	198
2/20 Poly CL	133	15 CONE	200
20 Poly	119-134	20 CONE	205
Cotton Yarn		2/15 CONE	208
4 CONE	55-69	2/40 CONE	259

NEETA YARNS

Ph. 022-28335766, 093246-70428 (M) 98210-82022

Fancy Yarn Per Kg		2/80 PC Combed	355+ GST
30/62 Alpine	220 + GST	2/76 Polyster	260+ GST
2/60 PVT	230 + GST	2/60 P.V.	265+ GST
2/60 Polyster	260 + GST	-------	

Siyaram's की रिटेल कॉन्फ्रेंस का सफल आयोजन

अमृतसर/ टेक्सटाइल इंडस्ट्री के लोकप्रिय एवं प्रतिष्ठित मेंस फैशन ब्रांड सियाराम की तीन दिवसीय रिटेल कॉन्फ्रेंस का आयोजन बेहद सफल रहा। यह रिटेल कॉन्फ्रेंस उत्तर भारत के नामचीन होलसेल संस्थानों में अग्रणी शिखा टेक्सटाइल (गुल्लू जी) के तत्वाधान में अमृतसर के होटल रमाड़ा में 20 से 22 फरवरी तक आयोजित की गई। इस दौरान सियाराम की समस्त रेंज के लेटेस्ट और युनिक कलेक्शन्स को व्यापारियों की भरपूर सराहना मिली और पंजाब, हरियाणा, हिमाचल एवं जम्मू कश्मीर से आगन्तुक व्यापारियों ने स्कीम का लाभ उठाते हुए अच्छे ऑर्डर दिए।

कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ सियाराम के प्रेसिडेंट सेल्स एवं मार्केटिंग श्री अशोक तोरका, शिखा टेक्सटाइल के डायरेक्टर श्री गुल्लू जी, सियाराम सूटिंग एरिया जनरल मैनेजर श्री बिश्वजीत झा, गिफ्ट पैकिंग के जनरल मैनेजर श्री संतोष शर्मा, स्थानीय एजेंसी जय टेक्सटाइल के संचालक श्री मिंटू जी एवं श्री गौरव जी के अतिरिक्त शिखा टेक्सटाइल के मैनेजर श्री सन्नी जी एवं आगंतुक व्यापारियों की उपस्थिति में फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया।

कंपनी के प्रेसिडेंट सेल्स एवं मार्केटिंग श्री अशोक जी तोरका ने बताया कि सियाराम हमेशा से ही सर्वश्रेष्ठ उत्पाद मुहैया कराने के लिए अग्रसर रहता है। कंपनी ने अपने समस्त सूटिंग शर्टिंग उत्पादों की नवीन वस्त्र श्रंखला इस कॉन्फ्रेंस में प्रदर्शित की, जिसमें विशेषकर बाँस (BAMBOO) से निर्मित फैब्रिक एवं कॉटन सूटिंग साथ ही आकर्षक समर सीजन कलेक्शन को व्यापारियों ने खूब पसंद किया। उन्होंने कहा कि पॉलिस्टर, विस्कोस, ब्लेंड फैब्रिक उत्पादन में सियाराम अन्य वस्त्र का निर्माताओं की पंक्ति में व्यापारियों की पहली पसंद होता है। इस दौरान श्री तोरका जी ने बताया कि सियाराम के सभी ब्रांड्स का एक ही छत के नीचे सम्पादित डिस्प्ले को व्यापारियों ने खूब सराहा, साथ ही रिटेलर्स से उनके फीडबेक के आधार पर आगामी सीजन हेतु विचार विमर्श किया गया।

टेक्सटाइल जगत में युवाओं के प्रेरणास्त्रोत 'श्री रमेश पोद्दार'

श्री रमेश जी पोद्दार
सीएमडी
सियाराम सिल्क मिल्स लिमिटेड

श्री ऋषभ अरोड़ा
डायरेक्टर- शिखा टेक्सटाइल

» इस अवसर पर शिखा टेक्सटाइल के डायरेक्टर **श्री ऋषभ अरोड़ा** ने बताया कि सियाराम ब्रांड में एक अपनापन सा एहसास होता है। जिस ब्रांड के नेतृत्व में कार्य के प्रति इतनी सजकता एवं सकारात्मक ऊर्जा हो तो हम जैसे युवा उद्यमियों में भी एक कदम आगे की सोच होती है। उनका कहना था कि **सियाराम के सीएमडी श्री रमेश जी पोद्दार** टेक्सटाइल इंडस्ट्री में आज युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उनका कर्मठ व्यक्तित्व एवं कार्यकौशल आज के युवाओं में नई ऊर्जा का संचार कर देता है। संक्रमण काल में उन्होंने इस इंडस्ट्री को एक सूत्र में बांधने का जो कार्य किया, वह प्रशंसनीय है। हम जैसे युवा एंटरप्रेन्योर्स को उनसे प्रेरणा लेकर इस इंडस्ट्री के सुनहरे भविष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए। इस कॉन्फ्रेंस में आगंतुक व्यापारियों से इतना स्नेह मिलना और इस कॉन्फ्रेंस को सफल बनाना, यही हमारी असली पूंजी है। «

श्री मिंटू जी ने बताया कि सियाराम के सभी ब्रांड्स का डिस्प्ले किया गया। जे.हेम्पस्टेड की हाई एंड रिच प्रोडक्ट्स रेंज को व्यापारियों ने खूब सराहा। उन्होंने बताया कि मारकोनी की जैकेटिंग एवं सूटिंग डिजाइंस, वैवाहिक सीजन हेतु मिनिएचर के गिफ्ट पैक साथ ही मिस्टीयर एवं रॉयल लिनन की विशाल रेंज का डिस्प्ले किया गया, विशेषकर कश्मीर के लिए वलीनो वूल, फलालेन वेलीशाइन जैसी आकर्षक रेंज व्यापारियों के समक्ष पेश की गई। शर्टिंग में 36'' एवं 58'' विक्ट्री में शर्टिंग एवं कुर्ते की विशेष रेंज के साथ ही 100 प्रतिशत कॉटन स्प्रिट समर सीजन हेतु विस्तृत रेंज को भी व्यापारियों ने खूब पसंद किया। जे.हेम्पस्टेड की केटलॉग बेस डिजाइन्स, गीजा शर्टिंग, जेनेटी रिच वूल सूटिंग एवं प्योर लिनन की आकर्षक रेंज की व्यापारियों ने अच्छी बुकिंग कराई।

सियाराम्स मोजो ब्राण्ड के मैनेजर श्री ब्रजेन्द्र कुमार ने बताया कि इस दौरान प्रिण्ट, प्लेन, चेक्स, इण्डिगो शर्ट्स के साथ ही केजुअल्स जींस, ट्राउजर एवं टी-शर्ट्स की विस्तृत रेंज ने व्यापारियों को खूब आकर्षित किया, जहां वाजिब दाम पर उत्कृष्ट उत्पाद व्यापारियों को 'सियाराम्स मोजो' ब्राण्ड के तहत देखने को मिले।

जालान सिंथेटिक्स

द्वारा बसंत पंचमी पर 'बसना बिक्री महोत्सव' को मिला व्यापारियों का धमाकेदार रिस्पॉन्स

लगभग 4500 रिटेलर्स ने की आगामी सीजन के लिए खरीददारी

बसंत पंचमी पर 48 वें वर्ष में प्रवेश कर रचा इतिहास

वाराणसी/ उत्तरप्रदेश के आस्था के केंद्र माने जाने वाला शहर वाराणसी आज किसी परिचय का मोहताज नहीं है। यहां के दर्शनीय स्थलों के साथ-साथ भव्य काशी विश्वनाथ के मंदिर के अलौकिक दर्शन मात्र से ही भव सागर पार होते हैं। जहां काशी विश्वनाथ मंदिर अपने आप में भगवान शिव तथा भारत के 12 ज्योतिर्लिंग में से एक है, वहीं वाराणसी शहर की पहचान एवं भारतीय टेक्सटाइल उद्योग में विशेष स्थान रखने वाले ''जालान सिंथेटिक्स'' का अपने आप में बहुचर्चित नाम है। जालान सिंथेटिक्स की बात की जाए तो वर्ष 1974 में स्व. दीनदयाल जालान द्वारा बसंत पंचमी पर बोये हुए बीज से पल्लवित एक पौधा है, जो निरंतर अपने अथक परिश्रम तथा अपने मूल उद्देश्यों के साथ आगे बढ़ता गया और आज वर्ष 2021 में बसंत पंचमी के दिन 48 वें वर्ष में प्रवेश कर निरंतर अपनी शाखाओं को विस्तारित कर रहा है। जालान सिंथेटिक्स के चेयरमैन श्री केशव जालान से हुई विस्तृत चर्चा में उन्होंने बताया कि हम शुरू से ही अपने मूल उद्देश्यों तथा पिताजी स्व. दीनदयाल जालान के नक्शे कदम पर आगे बढ़े हैं। हमने सदैव अपने ग्राहकों की चिंता रखी और उन्हें समय पर कपड़ा उपलब्ध कराना तथा एक ही छत के नीचे कपड़े की विस्तृत रेंज रखना ही हमारा मूलउद्देश्य है। जब भी कोई ग्राहक हमारे संस्थान में आए तो उसे हर प्रकार की वस्त्र श्रंखला उपलब्ध हो, ताकि वह खाली हाथ नहीं जाए। इससे हमारा दायरा निरंतर बढ़ता गया और आज हम अनेक ब्रांडेड मिलों से जुड़े हुए हैं।

फैब्रिक उत्पादकों का संगम... श्री जालान ने कहा कि इस बसना बिक्री महोत्सव के दौरान मुम्बई से सूटिंग उत्पादकों में रेमण्ड, सियाराम सिल्क मिल्स के कडिनी, डोनियर, मारकोरीशी, स्पर्श फेब व कामदगिरी फैशन के ब्राण्ड ट्रूवेल्यू, शर्टिंग फैब्रिक से जालान सिल्क मिल्स, भीलवाड़ा से मुरारका सूटिंग, श्रीयम, हाई फैशन, हाई कलेक्शन, टॉपमेन फैशन, सूरत से साड़ी के अन्तर्गत लक्ष्मी पति, सत्यम, विपुल, कलाश्री, करिश्मा, सूट एवं साड़ी, रतन बगलोरी मिल्स, कॉटन प्रिण्टेड साड़ी, आधुनिक साड़ी एवं सूट, ड्रेस मटेरियल में विजयलक्ष्मी, बीटी मिल्स, पोपलीन रूबिया में जुबली, विमल स्कोप, कर्टेन क्लॉथ आदि निर्माताओं ने अपने सभी लेटेस्ट कलेक्शन का प्रदर्शन किया, जो रिटेलरों को काफी पसंद आया तथा व्यापारियों ने जमकर बुकिंग कराई। यदि समय की बात की जाए, तो जालान सिन्थेटिक्स के पहले दिन की बिक्री वर्ष 1974 में 156/-रु. थी जो आज 47 वर्ष बाद करोड़ों तक पहुँच चुकी है।

टीमवर्क... आज किसी भी कार्य को सफल बनाने के पीछे उसकी टीम का होना अति आवश्यक है। यही बात सिद्ध करने के लिए जालान सिंथेटिक्स की डायरेक्टर्स टीम से लेकर वहां कार्यरत लगभग 300 कर्मचारियों के सहयोग से ही संभव हो पाता है। हर कर्मचारी ने अपनी ईमानदारी, लगन और मेहनत से कार्य किया, तब जाकर ऐसे आयोजन सफल हो पाते हैं।

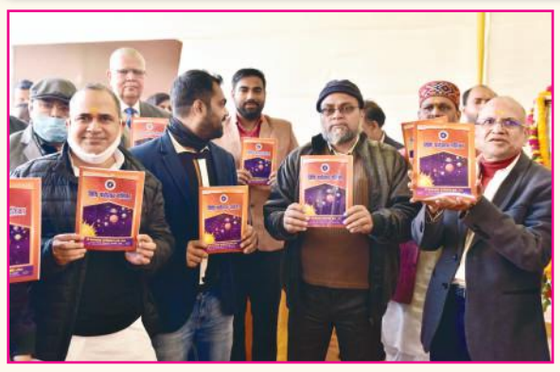

सामाजिक सरोकार

कंपनी के चेयरमेन श्री केशव जालान वाराणसी क्षेत्र में किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। हर गरीब वर्ग, असहाय, निर्धन तथा अनेक सामाजिक संस्थाओं के साथ जुड़े हुए हैं। हाल ही में कोरोना महामारी के चलते लॉकडाउन के दौरान उनके द्वारा वाराणसी क्षेत्र में हर वर्ग की मदद की है, चाहे मनुष्य हो, पशु पक्षी हो। यहां तक की वाराणसी घाट के पानी की मछलियों को भी वे दाना खिलाना नहीं भूले। वे अनेक गोरक्षा संगठनों से जुड़े हुए हैं। हरिशचन्द्र घाट पर लावारिस लाशों के शव दाह की सामग्री के साथ साथ उनके दाह संस्कार का संपूर्ण खर्च भी श्री जालान ही उठाते हैं। जालान ग्रुप एम्पलॉयर वेलफेयर में श्री जालान के संस्थान पर उपस्थित कर्मचारी भी कदम से कदम मिलाकर सहयोग करना नहीं भूलते हैं। इस वेलफेयर का 50 प्रतिशत अंश कर्मचारी वहन करते हैं, जो हर निर्धन तक पहुँचता है। साथ ही साथ ये वाराणसी स्थित अपना घर आश्रम के सरंक्षक भी हैं। इस संस्था में काई भी वृद्ध, असहाय, गरीब तथा भिखारियों के इलाज से लेकर स्वस्थ जीवन को साकार करते हुए अपनी संस्था में लाकर उनकी हर प्रकार से सेवा की जाती है, और अगर वो घर नहीं जाना चाहें या स्वस्थ होकर घर नहीं जाएँ तो वह अपना घर आश्रम पर रहे, ऐसी सुविधा उनके द्वारा की जाती है। नारी सुरक्षा से लेकर अनेक गौशालाओं के प्रति हमेशा सजग रहते है। इतना ही नहीं सामाजिक कार्यक्रमों में उनका सहयोग सदैव आगे रहता है।

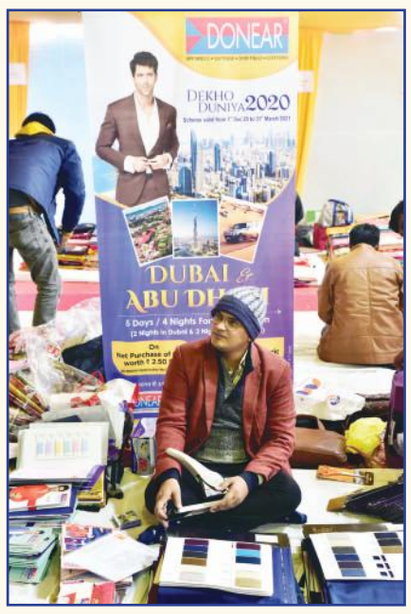

बसना बिक्री महोत्सव

जालान सिंथेटिक्स के डायरेक्टर एवं श्री केशव जालान के सुपुत्र श्री अभिषेक जालान ने बताया कि बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 15 फरवरी से 27 फरवरी तक बसना बिक्री महोत्सव का भव्य आयोजन हमारे नवनिर्मित रोहनिया में किया गया, जहां लगभग एक लाख स्क्वायर फीट के क्षेत्र में सूटिंग शर्टिंग, साड़ी, सूट, ड्रेस मटीरियल, कर्टेन क्लॉथ आदि फैब्रिक का डिस्प्ले किया गया जहां लगभग 4500 रिटेलर्स ने इन सभी लेटेस्ट फैब्रिक की बढ़चढ़ कर बुकिंग कराई। इस बसना बिक्री महोत्सव का शुभारंभ कंपनी के चेयरमैन श्री केशव जालान, मेनेजिंग डायरेक्टर श्री पारस बर्मन, सहपार्टनर श्री मुकेश अग्रवाल सूरत, श्री गोविन्द अग्रवाल, मुंबई, श्री मुदित अग्रवाल जयपुर की उपस्थिति में किया गया। इससे पूर्व हमारे द्वारा 17 से 19 जनवरी को बिजनेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन भी किया गया, जो काफी सफल रही।

ग्रे व यार्न में तेजी को ब्रेक लगने से व्यापार प्रभावित

अहमदाबाद/ सांवलाराम चौधरी

बीते दिनों अहमदाबाद के थोक बाजार में अच्छी ग्राहकी देखने को मिली थी, मगर ग्रे यार्न में तेजी को ब्रेक लगने से व्यापारी माल खरीदने से भाग रहे हैं। बाजार में एकदम ग्राहकी गायब हो गई है। कोरोना के नए केसों में बढ़ोतरी होने व लोकडाउन की अफवाह फैलने से भी व्यापारी सतर्क हो गए हैं तथा माल लेने में भी बहुत ध्यान दे रहे हैं। आगे मार्च महीना होने से भी व होली होने से भी व्यापारी ग्राहकी के इंतजार में है। पूरे वर्ष का वित्तीय लेन-देन का हिसाब किताब का महीना मार्च होने से व्यापारी नया माल खरीदने से बच रहे हैं।

बाजार में सभी ग्राहकी का ट्रेण्ड बदल रहा है। काफी वेरायटी गर्मी के कारण बदल रही है। माल में फैंसी व भारी माल की डिमांड चालू हो गई है। कॉटन, रेयॉन व काफी वैरायटी में गोल्ड, सिल्वर व जरी का माल बहुत डिमाण्ड में है। रियॉन प्लेन की डिमाण्ड खत्म हो गयी है। रियॉन 2 टोन की धूम धड़ाकी है, जिसमें महाकाल ब्राण्ड का माल बहुत चल रहा है।

यहां के स्थानीय बाजार में ग्राहकी के इंतजार में व्यापारी बैठे हैं। बाजार के जानकारों के मुताबिक आगामी गर्मी के सीजन में कॉटन बेस आइटम की अच्छी डिमाण्ड रह सकती है, जिसमें केम्ब्रिक प्लेन, व प्रिण्ट अच्छा चल सकता है।

यहां के स्थानीय प्रोसेस हाउसों में भी काम की कमी बताई जा रही है। बाजार में पैसों की तंगी बरकरार है। उधर शेयर में काफी तेजी आने से कपड़ा बाजार का पैसा काफी मात्रा में उसमें निवेश हो रहा है। सरकार द्वारा कोरोना का टीकाकरण बड़ी मात्रा में चालू हो जाने से काफी लोग टीका लगवा सकते हैं, जिससे कोरोना ज्यादा से ज्यादा नियंत्रण में आ सकता है। शायद कोरोना आने वाले त्यौहारों तथा अच्छी सीजन दिपावली से पहले समाप्त हो सकता है। 2022 से कोरोना का नाम मिट सकता है। अभी भी काफी राज्यों में चुनाव हाने से कोरोना नियंत्रण में होना कठिन है क्योंकि अभी जो कोरोना के केसो में बढ़ोतरी हुई है, उसका मुख्य कारण चुनाव प्रसार में लापरवाही बताई जा रही है।

कोलम्बिया में भारतीय गारमेण्ट निर्यात की व्यापक संभावनाएँ

नई दिल्ली

भारत से कोलम्बिया को रेडीमेड गारमेण्ट का निर्यात बढ़ाने की व्यापक संभावनाएं हैं और गारमेण्ट निर्माता और निर्यातक डिजाइन और फैशन में नवीनता लाकर कोलम्बिया को गारमेण्ट का निर्यात बढ़ा सकते हैं, यह कहना है कोलम्बिया में भारत के राजदूत संजीव रंजन का। अपैरल एक्सपोर्ट कौंसिल (एइपीसी) और बगोदा स्थित भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित इंडिया-कोलम्बिया सिनर्सीज इन अपेरल एण्ड टेक्सटाइल्स नामक बीटूबी वर्चुअल मिटिंग का उद्घाटन करते हुए श्री रंजन ने कहा कि भारत से डिजाइनिंग फैशन के रेडीमेड गारमेंट के निर्यात की व्यापक संभावनाएं हैं। उनका कहना है कि कोलम्बिया में फैशन गारमेण्ट इंडस्ट्री का कुल बाजार लगभग 7 बिलियन डॉलर है, लेकिन भारत का योगदान इसमें बहुत ही कम है। वर्ष 2019 के दौरान भारत से कोलम्बिया को निर्यात केवल 21 मिलियन डॉलर का ही किया गया। श्री रंजन के अनुसार कोलम्बिया के कुल अपेरल आयात में भारत की हिस्सेदारी केवल 3 प्रतिशत है, जो हमारे गारमेण्ट सेक्टर की स्थिति को देखते हुए बहुत कम है। उन्होंने बताया कि वहां इस सेक्टर में दोहन की व्यापक संभावनाएं हैं और भारत के निर्यातकों को इसे प्राप्त करने की आवश्यकता है। कोलम्बिया में भारतीय परिधानों की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए भारतीय निर्यातकों को कोलम्बिया की फैशन इंडस्ट्री पर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

कोलम्बिया की फैशन इंडस्ट्री का वहां की औद्योगिक जीडीपी में 9.4 प्रतिशत का योगदान है और लगभग 6 लाख लोगों को रोजगार मिल रहा है। कोलम्बिया के लोग हर वर्ष फैशन पर लगभग 25.3 ट्रिलियन पेसो (वहां की मुद्रा) खर्च करते हैं। गत वर्ष जून में, जब कोविड-19 महामारी का दौर था, तब भी कोलम्बिया में वहां की जनता द्वारा किए गए कुल खर्च में 57 प्रतिशत खर्च केवल गारमेंट पर ही किया गया, जबकि ज्वेलरी पर खर्च का दूसरा स्थान था। कोलम्बिया में फैशन आईटमों के कारोबार में लगभग 14,000 कम्पनियां हैं, जो लघु और मध्यम सेक्टर की हैं। श्री रंजन के अनुसार हालांकि सरकार वहां पर निर्यात बढ़ाने का प्रयास कर रही है, लेकिन प्राइवेट सेक्टर को भी यह जानकारी रखनी चाहिए कि किस प्रकार इस सेक्टर का निर्यात बढ़ाया जा सकता है।

एइपीसी के चेयरमेन डा. शक्तिवेल ने इस मीटिंग में भाग लेने वाले उद्यमियों से कहा कि यह संस्था भारत के निर्यातकों और कोलम्बिया के आयातकों के बीच एक सेतु का काम करेगी। इस बैठक में लगभग 320 गारमेंट निर्यातकों ने भाग लिया।

उनके अनुसार विश्व बाजार में मेनमेड फ इबर से तैयार गारमेण्ट की मांग सबसे अधिक है और अब भारत सरकार ने इस सेक्टर के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेटिव की घोषणा की है, जिससे इस सेक्टर को बढ़ावा मिलेगा। डा. शक्तिवेल के अनुसार इस समय कुल गारमेण्ट निर्यात में भारत से 85 प्रतिशत कॉटन का निर्यात किया जाता है और 15 प्रतिश एमएमएफ आधारित गारमेण्ट का, जबकि विश्व में स्थिति इसके एकदम उलट है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि अब सरकार द्वारा घोषित नई योजना के बाद भारत से एमएमएफ आधारित गारमेण्ट का निर्यात अधिक मात्रा में होने लगेगा।

जे सी टी लिमिटेड

फगवाड़ा ने किया शानदार फैब्रिक डिस्प्ले एवं डीलर्स मीट का आयोजन

घरेलू बाजार के लिए पेश किए नए डवलपमेंट्स

फगवाड़ा/भारत की श्रेष्ठ एवं पंजाब स्थित जेसीटी लिमिटेड ने ग्राण्ड कबाना रिसोर्ट, फगवाड़ा में दिनांक 20 फरवरी को फैब्रिक डिस्प्ले व डीलर्स कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। जिसमें पूरे देश के डीलर्स ने भाग लिया।कम्पनी के चेयरमैन व एमडी श्री समीर थापर ने दीप प्रज्वलित कर इसका उदघाटन किया। इस अवसर पर कम्पनी की डायरेक्टर सुश्री प्रिया थापर व बिजनेस हेड श्री कमल भसीन भी उपस्थित रहे।

श्री समीर थापर ने भारत के टॉप 30 डीलर्स को संबोधित करते हुए कहा कि मेनेजमेण्ट ने डोमेस्टिक सेगमेण्ट को आगे बढ़ाने का निर्णय किया है। उन्होंने याद दिलाया कि जेसीटी सन् 1946 से घरेलू एवं निर्यात बाजार में अपना उत्पादन प्रस्तुत कर रही है। आज भी यही सत्य है और उपभोक्ता इस बात को स्वीकर करते हैं। यह सब मजबूत डीलर्स नेटवर्क के सहयोग से ही सम्भव हो पाया है। इस अवसर पर सीएमडी ने

सूटिंग व शर्टिंग की नई रेंज भी लॉञ्च की, जिसमें 100 प्रतिशत कॉटन से निर्मित डाइड, व्हाइट व लिनन लुक के कुर्ता सम्मिलित थे।

सुश्री प्रिया थापर ने इस अवसर पर कहा कि कम्पनी की टीम बाजार एवं उपभोक्ताओं की पसन्द के अनुरूप वस्त्र दे रही है। इसे देश के हर कोने तक पहुँच बनाने पर फोकस किया जा रहा है। हम अधिक प्रचार प्रसार तथा विज्ञापन व चेनल पार्टनर्स के जरिये इसका विस्तार करेंगे। अपने उत्पादों को नया लुक देने के लिए नए पेकेजिंग भी लॉञ्च कर रहे हैं।

श्री कमल भसीन ने अपने सम्बोधन में कहा कि घरेलू बाजार में अपने उत्पादों की बिक्री बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसे आगामी तीन वर्षों में 20 लाख मीटर का लक्ष्य रखा गया है जो वर्तमान में 8 लाख मीटर है। जेसीटी वर्तमान में 35 लाख मीटर कपड़ा स्पोर्ट्स वीयर, गारमेण्ट इण्डस्ट्री, डिफेन्स, शैक्षणिक संस्थाओं, निर्यात व घरेलू बाजार के लिए उत्पादित कर रही है, इसे 50 लाख मीटर करने का लक्ष्य है।

मार्केटिंग हेड श्री पवन माथुर ने सभी डीलर्स का धन्यवाद ज्ञापित किया और प्रतिकूल मौसम के बावजूद इसमें भाग लेने पर आभार जताया। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन किए जाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि कपड़े की गुणवत्ता ही उसका मुख्य आधार होता है और इसमें तकनीक का संयुक्त कर तथा कठिन परिश्रम कर जेसीटी अपने उत्कृष्ट उत्पाद बाजार को देती आ रही है। उन्होंने नई पीढ़ी की टीम पर भरोसा जताते हुए कहा कि आगामी 1-2 सालों में हम अपनी प्रतिष्ठा पुनः प्राप्त कर लेंगे।

सेगमेण्ट हेड श्री अरूण चौधरी ने इस अवसर पर कहा कि हमने फाइबर डाइड सूटिंग, ब्लेण्डेड शर्टिंग, स्कूल यूनिफॉर्म व एक्जीक्यूटिंग वीयर में नई क्वालिटी विकसित कर प्रस्तुत की है। घरेलू बाजार में इस प्रकार के वस्त्रों की वर्तमान में भारी कमी है, क्योंकि कोविड और लॉकडाउन के दौरान उत्पादन प्रभावित हुआ था। इस अवधि में स्थिति पर मनन करने का लाभ उठाया, परिणाम स्वरूप फैब्रिक में सभी रेंज में नए वस्त्रों की रेंज प्रस्तुत करने में सफल हुए हैं।

वस्तुतः कपड़ों की विस्तृत रेंज देखकर सभी डीलर्स प्रसन्न हुए। राजस्थान के डीलर श्री सूरज मल बैद ने शानदार रेंज प्रस्तुत करने के लिए टीम व मेनेजमेण्ट को धन्यवाद ज्ञापित किया। वे जेसीटी की डीलरशिप की चौथी पीढ़ी से हैं। कानपुर के डीलर श्री प्रदीप टण्डन ने कहा कि जेसीटी के शुरू होने के वर्ष सन् 1946 से ही उत्तर प्रदेश की डीलरशिप ले ली थी और अब उनके बेटे भी इसमें सहयोग कर रहे है। इस कॉन्फ्रेंस में जम्मू, पंजाब, हरियाणा, यूपी, बिहार, तमिलनाडु, कर्नाटक, गुजरात, मुम्बई व दिल्ली के डीलर्स ने भाग लिया।

इस प्रकार यह कॉन्फ्रेंस सफल रही तथा इसमें 30 लाख मीटर से अधिक की बुकिंग भी की गई।

Postal Registration No BHILWARA/208/2021-2023
RNI Registration No. 71772/98

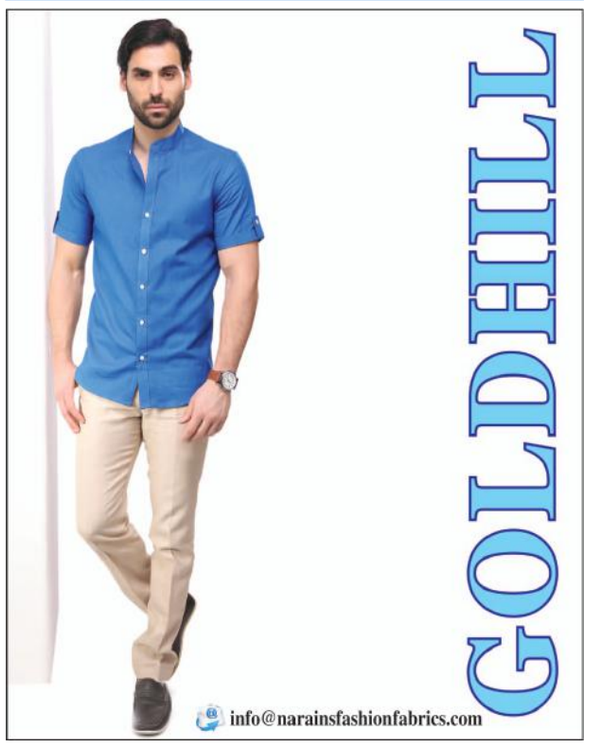

रिकॉर्ड आयात के बावजूद पाकिस्तान में कॉटन के भाव 11 वर्ष की चोटी पर

नई दिल्ली/ देश में कॉटन की कमी को पूरा करने के लिए लगभग 50 लाख गांठ के रिकार्ड आयात के बावजूद पाकिस्तान में इसके भाव में तेजी बनी हुई है और ये भाव 11 वर्ष का उच्चतम शिखर छू गए हैं।उल्लेखनीय है कि विभिन्न कारणों से पाकिस्तान में कॉटन के उत्पादन में लगातार कमी आ रही है, जबकि इसकी खपत में निरन्तर वृद्धि हो रही है और मांग व सप्लाई के अंतर को पूरा करने के लिए आयात का सहारा लिया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार चालू वर्ष के दौरान पाकिस्तान में कॉटन का उत्पादन गिर कर लगभग 56 लाख गांठ ही रहने का अनुमान है, जबकि इसकी सालाना खपत का अनुमान 150 लाख गांठ का है और इस वर्ष का उत्पादन गत 30 वर्षों के इतिहास में सबसे कम है। कॉटन उत्पादन में कमी और खपत में वृद्धि के कारण उत्पन्न हुए अंतर से पाकिस्तान में कॉटन के भाव में तेजी का दौर बना हुआ है। कराची कॉटन एसोसिएशन के अनुसार विगत दिनों वहां पर कॉटन के भाव 12,000 रुपए प्रति मन का स्तर छू गए थे, जो गत 11 वर्षों में सबसे ऊंचे हैं। दरअसल कॉटन के भाव में तेजी का एक कारण जहां देश में उत्पादन कम होना है, वहीं दूसरा कारण आईसीइ में कॉटन के भाव बढ़कर 94 सेंट (जो ढ़ाई वर्ष के रिकॉर्ड) पर पहुंच जाना भी है। इस कारण कॉटन की कमी को पूरा करने के लिए पाकिस्तान अभी तक लगभग 50 लाख गांठ कॉटन का आयात कर चुका है, लेकिन भाव रुकते नजर नहीं आ रहे हैं। एक अनुमान के अनुसार पाकिस्तान का कुल कॉटन आयात 70 लाख गांठ तक पहुंच सकता है। अब पाकिस्तान के कॉटन की आवक लगभग समाप्त हो चुकी है तथा जिनिंग मिलों व स्टाकिस्टों के पास कॉटन का स्टॉक भी कम है। इसका एक कारण यह भी है कि किसानों द्वारा कॉटन के स्थान पर गन्ना आदि अन्य फसलों की खेती करने के कारण पाकिस्तान में कॉटन का रकबा और उत्पादन कम होता जा रहा है। दूसरी ओर पाकिस्तान के पास वहां पर कॉटन के उत्पादन में वृद्धि की कोई ठोस योजना भी नहीं है। उल्लेखनीय है कि कुछ वर्ष पूर्व तक पाकिस्तान का स्थान विश्व के कुछ प्रमुख कॉटन उत्पादक देशों में आता था और वहां से इसका निर्यात भी किया जाता था।

कोरोना पर लगाम नहीं लगी तो बदल सकता है बाजार का समीकरण

यार्न के भाव घटने पर भी सूटिंग तथा शर्टिंग उत्पादकों ने बढ़े भाव में कटौती नहीं की

मिक्स एंड मैच पैकिंग में पूछताछ बढ़ी

मुंबई/ रमाशंकर पाण्डेय

कपड़ा बाजार फिर सन्नाटे की ओर लौट रहा है। कारोबार पहले की अपेक्षा अच्छी तरह से सुधर रहा था। बाजार में बिक्री बढ़ने के उत्साह का माहौल बना था, कारण कि आगे अच्छी बिक्री का सीजन है। अप्रैल अंत से वैवाहिक सीजन की मांग अच्छी शुरू हो जानी है, जिसकी बाजार को प्रतीक्षा है। रमजान एवं समर सीजन की ग्राहकी को ध्यान में रखते हुए उत्पादकों तथा व्यापारियों ने बड़े पैमाने पर इसकी तैयारी कर रखी है, परंतु कॉटन यार्न के भाव बढ़ने के कारण ग्रे कपड़ों का उत्पादन घटा, माल की डिलीवरी पर असर हुआ, अब ट्रांसपोर्टरों ने भाड़ा बढ़ा दिया, तो दूसरी ओर मुंबई सहित पूरे महाराष्ट्र में कोरोना केस फिर बढ़ने से बाजार का समीकरण बदलने का भय है।

लॉकडाउन की बढ़ती संभावना से कपड़ा बाजारों की मनोवृत्ति पर विपरीत असर पड़ने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। इसे देखते हुए पावरलूम में कपड़ों का उत्पादन 30 प्रतिशत तक घटा दिया गया है। देसी हल्की एवं मीडियम क्वालिटी की सूटिंग के भाव बढ़ गए हैं। शर्टिंग में भी उछाल आया है। चीन से कपड़ों का आयात अलग से बढ़ा। गारमेंटरों की कपड़ों की मांग निकली है, लेकिन माल लंबी उधारी पर जाने से सतर्क होकर इसे बेचा जा रहा है। स्कूलों को यूनिफॉर्म की आपूर्ति करने वाली गारमेण्ट इकाईयों के पास पिछले वर्ष का भरपूर स्टॉक पड़ा है। निर्यात बाजारों से निर्यात मांग कमजोर है। समर सीजन की तैयारी पुरजोर है, लेकिन यार्न के बढ़े भाव रोड़ा हैं।

ग्रे कपड़ों के भाव में भारी उठापटक होने से व्यापारी नुकसान होने के भय से प्रोसेस्ड कपड़ों का बड़ा ऑर्डर नहीं ले रहे हैं। बड़े प्रोसेस हाउसों से प्रोसेस्ड कपड़ा कम आ रहा है। प्रदूषण की समस्या सहित अन्य कारणों से इन इकाईयों में प्रोसेस कार्य सुचारू नहीं है। फिनिश कपड़ों का बाजार में अभी बहुत अधिक स्टॉक नहीं है, न ही ग्रे कपड़ों की बाजार में अधिकता है। मिलों के नंबरी माल में अच्छी मांग है। कपड़ों की गुणवत्ता पर मजबूत पकड़ रखती मिलें भुगतान के लिए आरटीजीएस पर जोर दे रही है। मिलें उधारी में अधिक माल बेचने से अभी कन्नी काट रही है। बाजार में आर्थिक संकट अभी खत्म नहीं हुआ है, उल्टे मार्च एंडिंग के कारण सभी को अतिरिक्त कोष की जरूरत है।

कोरोना महामारी का लंबा दंश झेलने के बाद देश में कारोबारी गतिविधियां शुरू हो जाने तथा अर्थव्यस्था के फिर से पटरी पर लौटने लगने से कपड़ा बाजार में भी उत्साह नजर आ रहा था। आगे चौ तरफा ग्राहकी अच्छी रहने की संभावना से बाजार का सेंटीमेंट बदल रहा था कि फिर से कोरोना के केस बढ़ने लगे। लॉकडाउन लगाने की आशंका से बाजार के सेंटीमेंट पर पानी फिर गया है। राज्य में कुछ स्थानों पर लॉकडाउन लगाने के बाद इसकी संभावना बढ़ी है। सरकारी मशीनरी इस दिशा में पूरी तरह से सतर्क हो गई है। लोगों को चेताया जा रहा है कि कोरोना से बचाव के लिए तय मानदंडों का जनता कड़ाई से पालन करें अन्यथा लॉकडाउन लगाया जा सकता है।

महाराष्ट्र वस्त्रोद्योग नीति 2018-23 के तहत बिजली बिल में सहूलियत देने के लिए वस्त्रोद्योग आयुक्त द्वारा पावरलूम मालिकों से ऑनलाइन आवेदन मंगाया गया था। इस आदेश पर पावरलूम मालिकों ने कड़ा ऐतराज जताया है। कई महीने तक कोरोना महामारी के कारण पॉवरलूम कारखानों के बंद रहने से ये कर्ज में डूबे हुए हैं। फरवरी महीने तक कई बार कॉटन यार्न की कीमतों में वृद्धि होने से पॉवरलूम मालिक आर्थिक संकट में आ गए हैं। ऊपर से आवेदन के लिए सिर्फ 12 दिन का समय दिया गया था, जो पॉवरलूम मालिकों के अनुसार काफी नहीं है। यह समस्या भिवंडी समेत मालेगांव, इचलकरंजी एवं सोलापुर स्थिति इकाईयों की है, जिन्हें आवेदन अंग्रेजी भाषा में करनी है।

अब समस्या यह है कि इन स्थानों के लूम मालिक अंग्रेजी भाषा की जानकारी नहीं रखते हैं। वे हिंदी, उर्दू अथवा अन्य भाषा जानते हैं। इतना ही नहीं, दलील यह दी जा रही है कि कारखाने का मालिक कोई और है, तो उसे चलाने वाला कोई दूसरा है। इतने कम समय में यह आवेदन कैसे संभव हो सकता है। आवेदन नहीं करने पर पावरलूम मालिकों की सब्सिडी बंद करने की चेतावनी दी गई है। सब्सिडी बंद करने पर उनके कारखानों का बिल डेढ़ से दो गुना तक बढ़ने की संभावना है। पावरलूम संगठनों ने वस्त्रोद्योग मंत्री एवं वस्त्रोद्योग आयुक्त से 16 फरवरी को दिए गए इस आदेश को वापस लेने तथा ऑनलाइन आवेदन करने के लिए छः महीने का समय देने की मांग की है। **शेष पेज 6 पर**

स्वत्वाधिकारी एसएसएस मीडिया पब्लिकेशन्स (प्रा.) लि. की तरफ से मुद्रक एवं प्रकाशक योगेन्द्र शर्मा के लिए वी.के. प्रिण्टर्स, बी-36, सुदर्शन पुरा, इण्डस्ट्रियल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित एवं सी-127, आर.के. कॉलोनी, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। **संपादक-योगेन्द्र शर्मा**।